आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,रविवार 28 दिसंबर 2025 ■ पौष शुक्ल पक्ष-8 ■ वर्ष -41 ■ अंक-269 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 29 दिसंबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

दिग्विजय सिंह ने की भाजपा व आरएसएस की तारीफ

नई दिल्ली,28 दिसंबर। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने पार्टी के अंदर नया संकट खड़ा कर दिया है। शनिवार को सिंह ने बीजेपी और आरएसएस की कार्यशैली की तारीफ की, जिसे पार्टी के भीतर आपसी कलह और असंतोष के रूप में देखा जा रहा है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पास फर्श पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस फोटो के साथ सिंह ने लिखा कि बीजेपी और आरएसएस में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठन के शीर्ष पदों (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री) तक पहुंचने का मौका मिलता है। हालांकि, जब इस पर हंगामा बढ़ा तो सिंह ने सफाई दी कि वे आरएसएस की विचारधारा के कट्टर विरोधी हैं। लेकिन तब तक पार्टी के अंदर बहस छिड़ चुकी थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिग्विजय सिंह का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा, 'हमारी ताकत

पोस्ट से कांग्रेस में हलचल

कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ कमजोर नहीं है। हम धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगते।' उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस नेताओं ने एक समय तिरंगे तक को स्वीकार करने से मना कर दिया था और अब वे लोगों के अधिकारों को कुचल रहे हैं। पार्टी के अन्य बड़े नेताओं ने इस मुद्दे पर अलग-अलग राय दी है। पवन खेड़ा ने दिग्विजय सिंह के विश्लेषण को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि नाथूराम गोडसे के समर्थक कभी गांधी के समर्थक नहीं हो सकते। सुप्रिया श्रीनेत ने कड़े शब्दों में कहा कि कांग्रेस को आरएसएस जैसे संगठन से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। दूसरी ओर, सचिन पायलट ने बीच-बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अपनी राय रखने की आजादी है और उनका एकमात्र लक्ष्य खड़गे और राहुल गांधी को मजबूत करना है। सलमान खुर्शीद ने भी सिंह का बचाव किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस क्या हासिल कर पाया है, यह उसका एक व्यावहारिक आकलन मात्र था, इसका मतलब यह नहीं कि वे पार्टी नेतृत्व के साथ नहीं हैं।

थरूर ने कांग्रेस में 'बड़े सुधारों' की वकालत की

शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कांग्रेस में सांगठनिक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया है, जो दिग्विजय के आरएसएस की कार्यशैली पर दिए बयान के बाद शुरू हुए विवाद को नया मोड़ देता है। थरूर ने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और अनुशासन लाने की वकालत की है, जिसे वे 140 साल के इतिहास से सीखने का हिस्सा मानते हैं। थरूर ने न केवल सिंह का बचाव किया, बल्कि कांग्रेस में बड़े सुधारों की जरूरत पर भी जोर दिया है। थरूर ने पत्रकारों से कहा, 'संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए, इसमें कोई सवाल ही नहीं है। हमारा 140 साल का गौरवशाली इतिहास है और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं।'

जल-जंगल-जमीन खतरे में : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली,28 दिसंबर। आज कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस है। कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदिरा भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कांग्रेस के 140 साल के इतिहास और योगदान को याद किया। इंदिरा भवन में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। जल-जंगल-जमीन खतरे में है। इन्हें बचाने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार संवैधानिक संस्थाओं व जन अधिकारों को कमजोर कर रही है। खरगे ने मनरेगा को नष्ट करने और पूंजीपतियों के लिए कानून बनाने का आरोप लगाते हुए बीजेपी की नीतियों को देश हित के खिलाफ बताया है।

बिहार में ट्रेन की 19 बोगियां पटरी से उतरी, 3 डिब्बे नदी में गिरे

पटना,28 दिसंबर। बिहार में पड़ रही भीषण ठंड और कोहरे का सीधा असर यातायात पर पड़ रहा है। बीते कई दिनों से सड़क हादसे की घटनाओं के साथ ही रेल घटनाओं की संख्या में इजाफा देखने को मिला है। इस बीच कल शनिवार की देर रात जमुई में एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया, जहां ट्रेन की 19 बोगियां पटरी से उतर गई। वहीं, 3 डिब्बे नदी में गिर गए। घटना जमुई जिले के जसीडीह–झाझा मुख्य रेलखंड का है। यह घटना जसीडीह–झाझा रेलखंड के बीच टेलवा बाजार हॉल्ट के पास बधुआ नदी पर बने पुल पर घटा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। वहीं, ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। गनीमत की बात यह रही की दुर्घटनाग्रस्त रेल सीमेंट से लदी एक मालगाड़ी थी। पैसेंजर या एक्सप्रेस ट्रेन के होने पर यह हादसा और भी भयावह हो सकता था। रेल हादसे की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे रेलवे अधिकारी राहत और बचाव कार्य में जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार सीमेंट से लदी मालगाड़ी जसीडीह की ओर से अप ट्रैक पर जा रही थी। इस दौरान टेलवा बाजार हॉल्ट के पास बधुआ नदी स्थित पुल पर पहुंचते ही अचानक पटरी से उतर गई। इस हादसे में मालगाड़ी के 3 डिब्बे पुल से नीचे नदी में गिर गए। जबकि कई डिब्बे एक-दुसरे के पर चढ़ गए और जसीडीह–झाझा मुख्य रेलमार्ग की डाउन पटरी पर आ गए। हादसे के बाद इस रूट पर आने-जाने वाली सभी ट्रेनें प्रभावित हुईं।

बस पलटी, चौथिया से लौट रहे आधा दर्जन घायल

मुंगेली,28 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के लोरमी-कोटा मुख्य मार्ग पर बिलासपुर से सेमरिया लौट रही बस हादसे का शिकार हो गई. तेज रफ्तार में बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई. बस में मुस्लिम परिवार के 40 लोग सवार थे. दुर्घटना में करीब आधा दर्जन लोग घयाल हो गए, जिनमें 2 की हालत गंभीर है. घटना जूनापारा चौकी इलाके के खपरा खोल गांव की है. जानकारी के मुताबिक, शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे से 2.00 बजे के बीच खपराखोल मुख्य सड़क मार्ग में यह हादसा हुआ है. राइस मिल के पास जुनेजा बस CG 16 H 0109 अनियंत्रित होकर पलट गई है. सभी यात्री बस को किराए पर लेकर चौथिया कार्यक्रम में शामिल होने गए थे. बिलासपुर से समेरिया (लोरमी) लौटने के दौरान उनकी बस हादसे का शिकार हो गई. बस में 25 महिला और 15 पुरुष कुल 40 लोग सवार थे. फिलहाल सभी की स्थिति लगभग सही है, जिन्हें इलाज के लिए लोरमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है. 2 गंभीर घायलों को मुंगेली रेफर किया गया है. गंभीर रूप से घायल में एक पुरुष अब्दुल हसीम (35 साल) और जरीन खान (17 साल) है. घटना की सूचना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. हादसे के कारणों की जांच जारी है.

दिल्ली के जंतर मंतर में उन्नाव रेप पीड़िता का प्रदर्शन

नई दिल्ली,28 दिसंबर। उन्नाव रेप केस में हाई कोर्ट के फैसले के बाद से फिर एक बार राजनीति गरमा गई है। आज दिल्ली के जंतर-मंतर में रेप पीड़िता प्रदर्शन करने पहुंची हैं। उनके साथ उनकी मां भी हैं। हालांकि इस दौरान एक भीड़ के बीच एक व्यक्ति भाजपा जिंदाबाद के नारे लगा रहा था।

समंदर की गहराई में पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली,28 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर 'कलवरी' क्लास की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार होकर समुद्र के भीतर यात्रा की। भारतीय सशस्त्र बलों की सुप्रीम कमांडर के तौर पर राष्ट्रपति ने नौसेना की ताकत और परिचालन क्षमताओं का जायजा लिया। इस विशेष यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ पनडुब्बी में मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए किसी पनडुब्बी में यह पहली यात्रा है। वह 'कलवरी' क्लास की पनडुब्बी में सवार होने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। भारतीय इतिहास में यह केवल दूसरा अवसर है जब किसी राष्ट्रपति ने पनडुब्बी में यात्रा की है। उनसे पहले मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने पनडुब्बी में सफर किया था। बता दें, यह यात्रा भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में उनकी भूमिका को सम्मानित करने के उद्देश्य से की गई है।

नजरबंद कर दिए गए महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता

श्रीनगर,28 दिसंबर। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है।

प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किए जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए एक समिति गठित किए जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी।

तमनार में हिंसक झड़प मामले की होगी जांच: सीएम साय

रायपुर,28 दिसंबर। रायगढ़ जिले के तमनार में शनिवार को पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई हिंसक झड़प की जांच होगी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना की जांच में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है. बता दें कि रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र में शनिवार को जिंदल के कोयला खदान के विरोध में आंदोलन कर रहे 14 गांव के ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों के साथ न केवल मारपीट की बल्कि बस समेत दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया था. हिंसक झड़प में महिला टीआई कमला पुसाम समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे. पुलिस ने घटनाक्रम के बाद 30 से 35 लोगों को गिरफ्तार किया है. दरअसल, पिछले दिनों जिंदल कंपनी के गारे पेलमा कोल ब्लाक की हुई जनसुनवाई को फर्जी बताकर तमनार क्षेत्र के 14 गांव के ग्रामीण लिबरा के सीएचपी चौक पर कंपनी के गेट के सामने शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे. इससे कंपनी में भारी वाहनों का परिचालन ठप हो गया था. शनिवार को दल-बल से साथ पुलिस पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाइश देते हुए धरना समाप्त करने कहा. इस दौरान विरोध कर रहे कुछ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया. बताया जा रहा है कि इसके बाद

वाहनों का परिचालन शुरू हो गया था. इसी बीच खुरूषलेंगा गांव के पास भारी वाहन की टक्कर से एक साइकिल सवार ग्रामीण घायल हो गया, जिसके बाद माहौल गर्मा गया. घटना की जानकारी मिलते ही तमनार थाना प्रभारी कमला पुसाम एक टीम के साथ मौके पर पहुंची, जहां ग्रामीणों ने लाठी-डंडे और लातों से उसकी पिटाई कर दी. पुलिस पर पथराव भी किया, जिससे टीआई समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए.

'अरावली' पर सीजेआई की अगुवाई में तीन जजों की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली,28 दिसंबर। अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। पर्यावरण प्रेमी और देश के आम लोग इसे अरावली पर्वतमाला को खत्म करने की शुरुआत कह रहे हैं। इसे लेकर देश में कई जगह प्रदर्शन भी कर रहे हैं। हालांकि मोदी सरकार साफ कह चुकी है कि 98% अरावली सुरक्षित है। साथ ही राजस्थान की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर भी निशाना साधा है। देश में मचे अरावली पर संग्राम के बीच सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है। अरावली हिल्स मामले में सुप्रीम कोर्ट सोमवार (29 दिसंबर) को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच इस पूरे विवाद की सुनवाई करेगी। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति देने के लिए अरावली की परिभाषा में बदलाव किया गया है। हालांकि, सरकार ने कांग्रेस के इस दावे को पूरी तरह से खारिज किया है। हंगामा होने के बाद केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किया है। केंद्र सरकार ने आईसीएफआरई को अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान करने को कहा गया है। अरावली के क्षेत्रों में भी खनन को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा। केंद्र सरकार ने अरावली की अखंडता बचाने का वादा किया है। पुरानी खदानों को भी कोर्ट के आदेशों का पालन करना होगा। सरकार का लक्ष्य अनियमित माइनिंग को पूरी तरह रोकना है। मरुस्थलीकरण रोकने के लिए अरावली का बचना बहुत जरूरी है। जबकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस नियम से अरावली का 90% हिस्सा खत्म हो सकता है। केंद्र सरकार ने हालांकि नए माइनिंग पट्टों पर रोक लगा दी है। लेकिन अब मामला देश की सबसे बड़ी अदालत के पास है। सोमवार की सुनवाई अरावली के अस्तित्व के लिए बहुत ही निर्णायक साबित हो सकती है। अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है जो करीब 700 किमी लंबी है। यह दिल्ली-एनसीआर को थार रेगिस्तान की धूल और मरुस्थलीकरण से बचाने वाली एक प्राकृतिक ढाल हैष। हाल ही में सरकार की 100 मीटर ऊंचाई वाली नई परिभाषा पर भारी विवाद खड़ा हुआ था। इसके बाद अरावली को लेकर कई इलाकों में प्रदर्शन भी देखने को मिले। हालांकि केंद्र सरकार लगातार इस मामले को लेकर स्पष्ट रूप से कह रही है कि अरावली को किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है।

महिला की हत्या के बाद एमवी 26गांव में भड़की हिंसा

पखांजूर,28 दिसंबर। जो गांव कभी शांति और आपसी सौहार्द के लिए जाना जाता था, आज वह हिंसा और तबाही का प्रतीक बन गया है. बात हो रही है ओडिशा के मलकानगिरि जिले के एमवी 26 गांव की, जहां एक महिला की हत्या के बाद हालात इतने बिगड़ गए कि पूरे गांव के 230-250 घरों को आग के हवाले कर दिया गया. इस हिंसक घटना में पीढ़ियों से संजोई गई लगभग 60 वर्षों की मेहनत और पूंजी पूरी तरह जलकर राख हो गई. पीड़ित परिवारों के कच्चे–पक्के मकान, अनाज, कपड़े, जरूरी दस्तावेज और घरेलू सामान सब कुछ आग की भेंट चढ़ गया. अचानक हुई इस हिंसा ने सैकड़ों लोगों को खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर कर दिया है. सूत्रों के अनुसार, एक महिला की हत्या की घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया, जो देखते ही देखते उग्र रूप ले बैठा. हालात इतने बेकाबू हो गए कि भीड़ ने पूरे गांव को निशाना बना लिया. आगजनी की इस घटना से गांव में भय और दहशत का माहौल है. इस मानवीय त्रासदी के बाद छत्तीसगढ़ के परलकोट क्षेत्र से पीड़ितों की सहायता के लिए मदद का हाथ बढ़ाया गया है. स्थानीय सामाजिक संगठनों और समाज के लोगों द्वारा राहत सामग्री—अनाज, कपड़े, दैनिक उपयोग की वस्तुएं पीड़ित परिवारों तक पहुंचाई जा रही हैं, ताकि वे इस

कठिन समय में कुछ राहत पा सकें.पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से दोषियों पर सख्त कार्रवाई, उचित मुआवजा और स्थायी पुनर्वास की मांग की है. वहीं, इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है.

7 वीं रोलबाल विश्वकप चैंपियनशिप, भारत ने जीता दोनों वर्गों का खिताब

दुबई से लौटकर जसवंत क्लाडियस

भारत ने अनेक क्रीड़ाओं को जन्म दिया है। उनमें से कबड्डी, खो-खो, योगासन आदि खेलों ने आज दुनिया में अच्छा स्थान बना लिया है। 21 वीं सदी में पुणे में ही एक अन्य खेल ने जन्म लिया। जिसे एक सच्चे राष्ट्रभक्त राजू दभाड़े ने आज दुनिया के कोने- कोने तक पहुंचाने के लिए अपना पूरा दमखम लगा दिया है। दुबई में 14 से 18 दिसंबर 2025 तक विश्वकप विजेता बनने की होड़ मची। 2003 में अस्तित्व में आने वाले इस खेल ने धीरे-धीरे करके पूरे संसार में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए लगातार कोशिश की है। 7 वीं विश्वकप प्रतियोगिता के अंतर्गत पुरुष वर्ग में 16 जबकि महिला वर्ग में 14 टीम ने भाग लिया। सिर्फ 22 वर्ष की अवधि में यह खेल इस जगत के समस्त महाद्वीपों में अपनी पहचान बना चुका है। फिलहाल 60 से अधिक देशों में रोलबाल की गतिविधियां संचालित हो रही है। पैरों में रोलर स्केटिंग

को पहनकर जब खिलाड़ी फील्ड में उतरता है तो दोनों पक्षों के खिलाड़ियों की चहल-पहल मुकाबला आरंभ होने के साथ ही घमासान मच जाता है। रोलर स्केटिंग में सवारी करके खिलाड़ी विपक्षी के गोल पर पल-पल में हमला करते हैं। तेज रफ्तार पर नियंत्रण और अचूक पास तथा गोल पोस्ट पर निशाना साधना एक अद्भुत परिदृश्य को प्रस्तुत करता है। गेंद को अपने पक्ष में रखने के लिए खिलाड़ियों की आपसी छीना छपटी दर्शकों में उत्तेजना पैदा कर देती है। गोल करने के लिए डी के बाहर विपक्षी की रक्षा पंक्ति को तोड़ने के लिए चालाकी, फुर्ती, त्वरित निर्णय की क्षमता लेने वाली टीम कामयाब होती है। रोलबाल के विश्व विजेता बनने की सातवीं कड़ी में भारत, केन्या, ईरान, प्रमुख दावेदार थे आखिरकार यही तीन टीम महिला व पुरुष वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे।

दुबई जैसे सुव्यवस्थित शहर में इस स्पर्धा के आयोजन ने मीडिया का ध्यान विशेषकर अपनी ओर खीचा। प्रत्येक मैच का इलेक्ट्रानिक माध्यम द्वारा प्रसारण किया गया और हिन्दी व अंग्रेजी में आंखों देखा हाल सुनाया गया। भारत में उत्पन्न यह खेल आज 21 वीं सदी के युवाओं का सबसे तेजी से उभरता हुआ खेल है। भारत से बाहर निकलकर इस खेल की विश्वकप स्पर्धा केन्या, बांग्लादेश और अब संयुक्त अरब अमीरात में हो चुका है। सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए स्थानीय राजवंश के शासकों द्वारा पूरी सुविधा दी गई और समय- समय पर वे स्वयं उपस्थित होकर ना सिर्फ खेल का आनंद लिया बल्कि खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित किया।

बंकरों में छिपने को मजबूर हो गए थे : जरदारी

करांची,28 दिसंबर। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले के हमले का कोई जवाब पाकिस्तान के पास नहीं था। भारतीय सेना ने उसके कई एयर डिफेंस सिस्टम और एयरस्ट्रिप को तबाह कर दिया था। बावजूद इसके पाकिस्तान के हुक्मरान और पाकिस्तानी सेना अपने मुंह मियां मिट्ठू बनकर खुद की तारीफ करते हुए भारत को हराने की बात कहता है। अब ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बड़ा कबूलनामा किया है। एक कार्यक्रम जरदारी ने कहा कि मेरे एक प्रतिनिधि ने मुझसे आकर कहा कि सर वो जंग शुरू हो गई है। जान बचाने के लिए बंकर में चलें। पाकिस्तानी राष्ट्रपति का ये कबूलनामा उस समय पाकिस्तान में डर के माहौल को बयां कर रहा है। जरदारी ने बताया कि उनके प्रतिनिधि ने कहा कि जंग शुरू हो गई है सर बंकर में चलें। जरदारी ने आगे अपने संबोधन में कहा कि हम जंग के मैदान के लिए खुद तैयार हैं। हम खुद हथियार लेकर लड़ने के लिए तैयार हैं. हम अपनी जान की कुर्बानी देने के लिए भी तैयार हैं।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिव्य दरबार में किया कष्ट निवारण

■ मुख्यमंत्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 दिसंबर। जयंती स्टेडियम मैदान में आयोजित हनुमंत कथा के तीसरे दिन दिव्य दरबार में श्रद्धा और आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा लगाए गए दिव्य दरबार में देशक्कप्रदेश के कोने-कोने से आए हजारों फरियादियों ने अपनी व्यथा रखी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण सुबह से ही पूरा परिसर खचाखच भर गया, जबकि लाखों की संख्या में लोग दूरस्थ मैदानों में बैठकर कथा व दिव्य दरबार का लाभ लेते रहे। दिव्य दरबार में पं. धीरेंद्र शास्त्री ने पर्ची पद्धति से श्रद्धालुओं की समस्याएं बताकर समाधान बताया। प्रेतबाधा, मानसिक कष्ट, पारिवारिक समस्याओं सहित विभिन्न पीड़ाओं से ग्रसित लोगों को साधना व विश्वास के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया। धमधा क्षेत्र से आए एक किसान की पुत्री के विवाह हेतु मंच से सहयोग राशि भी प्रदान की गई, जिसमें कथा

संयोजक राकेश पाण्डेय एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने सहयोग किया। इस अवसर पर अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास, बद्रीनाथ धाम के महंत यज्ञ सम्राट बालक दास भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोपहर बाद पं. धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान चालीसा की चौपाइयों का भावपूर्ण व्याख्यान करते हुए उनके आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। हनुमंत कथा में शामिल होने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सपत्नीक, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व विधायक अरुण वोरा, रजक बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, सुरेंद्र कौशिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल है और हनुमान जी की कृपा इस भूमि पर सदा बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पं. धीरेंद्र शास्त्री सनातन धर्म के ध्वजवाहक हैं और उनके विचार समाज को एकजुट करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पं. धीरेंद्र शास्त्री के प्रवचन मानव जीवन को दिशा देने वाले हैं। ऐसे संतों का मार्गदर्शन समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सिंथेटिक हेरोइन,कार व दो नाबालिग समेत 6 गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 दिसम्बर। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र पुलिस ने सिंथेटिक हेरोइन के साथ दो नाबालिग समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने कुल 10.7 मिली ग्राम ग्राम चिट्टा व हुण्डाई वरना कार 6 नग मोबाईल जुमला कीमती 9 लाख 87 हजार 800 रुपए बरामद किया है।

पुरानी भभिलाई टीआई अंम्बेर सिंह भारद्वाज ने बताया कि पुरानी भिलाई थाना पुलिस को सूचना मिली कि सिरसा भाठा मंहदी बाड़ी के बाजू खली मैदान स्थान पर सफेद रंग की हुंडाई वरना कार में कुछ संदिग्ध व्यक्ति सिन्थेटिक हिरोइन का नशा कर रहे हैं। सूचना पर थाना पुरानी भिलाई व एसीसीयू की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। कार में बैठे व्यक्तियों ने अपना नाम रवेल सिंह उर्फ जॉनी निवासी कैलाश नगर जामुल, दिशान्त निवासी गनियारी, रोहित गुप्ता निवासी संगम चौक खुर्सीपार और ओमकार सिंह उर्फ गोली सिंह निवासी सुभाष मार्केट खुर्सीपार बताया। उनके साथ अन्य दो नाबालिग भी सवार थे कार में धुआं भरा था एल्युमिनियम फाईल में चिट्टा रखकर लाईटर की सहायता से ये सभी चिट्टा का सेवन करते रंगे हाथों पाए गए। आरोपी रवेल सिंह से 6.50 मिली ग्राम चिट्टा बिक्री रकम 27,500 रुपए, दिशान्त से 2.10 मिली ग्राम चिट्टा व वरना कार, एल्युमिनियम फाईल, लाईटर, रोहित गुप्ता से 0.58 मिली ग्राम चिट्टा एल्युमिनियम फाइल, लाइटर, ओमकार सिंह उर्फ गोली से 0.51 मिली ग्राम चिट्टाएल्युमिनियम फाइल, लाइटर अन्य विधि से संघर्षरत बालक पहले से 0. 53 मिली ग्राम चिट्टा एल्युमिनियम फाइल, लाईटर एवं दूसरे से 0.48 मिली ग्राम एल्युमिनियम फाइल, लाइटर जब्त किया गया आरोपियों के खिलाफ धारा 27 (क), 21 (क), (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

एक नजर

कथा सुनकर आ रहे युवक से कार सवार युवकों ने की मारपीट

भिलाई, 28 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सुपेला थाना अंतर्गत जयंती स्टेडियम में आयोजित पं. धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनकर लौट रहे 11वीं के छात्र और उसके भाई को अग्रसेन चौक के पास ऑडी कार सवार रईसजादों ने कार को घूरकर देखने पर जमकर पीटा रिपोर्ट पर सुपेला पुलिस ने मामले में धारा 115 (2), 296, 3(5), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है सुपेला पुलिस ने बताया कि शंकर नगर दुर्ग निवासी चित्रांश सिंह परिहार ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह शंकराचार्य विधालय हुडको भिलाई में कक्षा 11वीं का छात्र है वह अपने भाई रूद्रा प्रताप सिंह चौहान, बुआ भारती सिंह चौहान, दादी कमला सिंह परिहार के साथ सेक्टर -06 जयंती स्टेडियम बगेश्वर सरकार की कथा सुनने गया था रास्ते में नेहरू नगर में अग्रेसन चौक के पास वह अपने भाई के साथ चिप्स खाने रुक गया। बुआ और दादी आगे निकल गईं। शाम करीबन आडी कार उनके पास आकर रूकी, जिसमें से 02 लड़के निकले और बोले कि कार को क्यों घूर रहे हो उनके इंकार करने पर दोनों ने मिलकर दोनों भाइयों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

पारकर की पुस्तक का विमोचन 29 को

भिलाई, 28 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वरिष्ठ लेखक बद्री प्रसाद पारकर की पुस्तक छत्तीसगढ़ी संस्कृति और हमारा समाज का विमोचन 29 दिसंबर को अपराह्न 3 बजे भिलाई होटल स्थित काफ़ी हाऊस के हाल में होगा। मुख्य अतिथि इंदिरा संगीत विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ राजन यादव और अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ परदेशी राम वर्मा होंगे। वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव, डॉ सुधीर शर्मा, जी आर राना विशिष्ट अतिथि और डीपी देशमुख, दीनदयाल साहू वक्ता होंगे। मुनीलाल पारकर आभार व्यक्त और डॉ रजनी नेल्सन संचालन करेंगी।

लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिलाई, 28 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विधायक लिखी पट्टी वाली ईनोवा को पुलिस ने पकड़ा। कार चालक तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए यातायात के नियमों का उल्लंघन करते पाया गया। भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश में थाना भिलाई नगर क्षेत्र में हो रहे बढ़ते हुए एक्सीडेंट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए चौक चौराहो पर लगातार चेकिंग कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान वाहन चेकिंग के दौरान ईनोवा क्रिस्टा कार चालक कार को तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए यातायात के नियमों का उल्लंघन करना पाये जाने से कार चालक नितेश कुमार (32 साल) निवासी कोहका पुरानी बस्ती मिनीमाता भवन थाना सुपेला जिला दुर्ग के विरूध्द धारा 112/183, 108, 194 बी (1), 184 मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत कार्रवाई की गई है।

निधन

जानकी गोस्वामी

भिलाई, 28 दिसंबर। कोहका मंगल बाजार के समीप निवासी भिलाई इस्पात संयंत्र,सेक्टर 9

हॉस्पिटल की पूर्व कर्मी श्रीमती जानकी गोस्वामी उम्र 80 वर्ष (पति स्वर्गीय मन्नू बन गोस्वामी) का निधन 27 दिसंबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे सुरेन्द्र बन गोस्वामी की मां, नरेंद्र बन, कमलेश बन, प्रमोद बन, सुधीर बन की चाची थीं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान का हिंदू सनातन मंच ने किया विरोध

न्यायालय परिसर के सामने किया पुतलादहन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 28 दिसम्बर। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कथावाचक एवं संत धीरेंद्र शास्त्री को लेकर दिए गए वक्तव्य को लेकर राजनीतिक व सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भूपेश बघेल ने अपने बयान में धीरेंद्र शास्त्री की कार्यप्रणाली, उनके आयोजनों तथा गतिविधियों पर प्रश्न उठाते हुए उन्हें राजनीतिक एजेंडे से जोड़ने जैसी टिप्पणी की थी, जिसे लेकर हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त है।

इसी क्रम में हिंदू सनातन मंच के सदस्यों–पोखराज सिंह परिहार, आदित्य झा, रवि सिंह राजपूत, तुलेश्वर शर्मा, नितिन पाठक सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने आज न्यायालय परिसर के सामने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। मंच के सदस्यों ने कहा कि एक संवैधानिक पद पर रह चुके व्यक्ति द्वारा इस प्रकार की भाषा और आरोप न केवल अनुचित हैं, बल्कि इससे समाज में

अनावश्यक वैमनस्य फैलने की आशंका भी बनती है। हिंदू सनातन मंच का कहना है कि जो लोग हिंदू एकता और सनातन संस्कृति की बात करते हैं, वही आज कुछ नेताओं की आंखों में खटक रहे हैं। मंच के सदस्यों ने आरोप लगाया कि धार्मिक विषयों को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने और सार्वजनिक मंचों से संतों पर टिप्पणी करने से समाज की भावनाएं आहत होती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती संत-महात्माओं की परंपरा से समृद्ध रही है और ऐसे में किसी भी धार्मिक व्यक्तित्व पर बिना तथ्यात्मक आधार के टिप्पणी करना निंदनीय है।मंच ने पूर्व मुख्यमंत्री से अपने बयान पर संयम बरतने और सार्वजनिक जीवन में मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदू समाज अपने धार्मिक विश्वासों और संत परंपरा के सम्मान की रक्षा के लिए संगठित और सजग है।

आयुक्त के निरीक्षण से सक्रिय हुआ गौठान तंत्र, शेड विस्तार का आदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 दिसम्बर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त श्री राजीव कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को निगम क्षेत्र अंतर्गत स्थित कोसा नगर गौठान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंश के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, चारा-पानी की व्यवस्था, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं का गहन अवलोकन किया। गौवंश की बढ़ती संख्या को देखते हुए आयुक्त ने जोन आयुक्त श्री अजय राजपूत एवं कार्यपालन अभियंता श्री संजय अग्रवाल को गौठान में अतिरिक्त शेड निर्माण एवं आवश्यक संरचनात्मक विस्तार के निर्देश दिए, ताकि पशुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने गौवंश के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था का भी जायजा लिया तथा मौके पर उपस्थित पशु चिकित्सक डॉ. जी. एल. बंजारे एवं गौ सेवकों से चर्चा कर उपचार व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि गौवंश की नियमित देखरेख, समय पर उपचार और स्वच्छ वातावरण निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर यह भी सामने आया कि कोसा नगर गौठान के संचालन में स्थानीय गौ सेवकों एवं समाजसेवियों का सराहनीय योगदान रहा है। आयुक्त ने इस सामाजिक सहभागिता की सराहना करते हुए इसे अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणादायक बताया।

स्व. बीरा सिंह स्मृति वॉलीबॉल चैंपियनशिप का विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने किया शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 दिसंबर। वॉलीबॉल एसोसिएशन, एस.सी. एवं सी.ए., भिलाई इस्पात संयंत्र के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय बीरा सिंह की स्मृति में आयोजित 20वीं सीनियर छत्तीसगढ़ राज्य अंतर-जिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन वॉलीबॉल कॉम्प्लेक्स, पंत स्टेडियम, सेक्टरक्क1 में किया जा रहा है। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 25 दिसंबर को हुआ, जिसमें प्रदेशभर से पुरुष एवं महिला वर्ग की कुल 48 टीमें भाग ले रही हैं। इनमें 31 पुरुष एवं 17 महिला टीमें शामिल हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि दुर्ग की धरती खेल प्रतिभाओं की उर्वर भूमि रही है। प्रदेश के खिलाड़ी अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। इस अवसर पर उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिनमें महेन्द्र ध्रुव, अब्दुल्ला, पीहू यादव, दीपेश सिन्हा, कोमल मौर्या, संतोष कुमार, रेखा पदम एवं विनोद नायर शामिल रहे। वहीं वॉलीबॉल खेल के विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ खेल प्रेमियों कौशल प्रसाद नायक, एस.एन. नेमा, टीकम दास अंडानी, शंकर लाल यादव, नईमुद्दीन हन्फी एवं राजेश्वर सिंह को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष महेश गागड़ा, उपाध्यक्ष अकरम खान, सचिव हेम प्रकाश नायक, एसोसिएट सचिव विनोद नायर, सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, शाहनवाज कुरैशी, निर्मल सिंह निम्मे, रिज्जू सिंह, वाजिद अंसारी, रमन सारथी, गुरप्रीत सिंह, पंकज शर्मा, सुनील यादव, यश सिंह, सोम सिंह सहित विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ी, कोच एवं सहायक स्टाफ की उपस्थिति रही।

बागेश्वर बाबा के दिव्य दरबार में घर वापसी का आयोजन

भिलाई, 28 दिसंबर। ट्वीनसिटी भिलाई में इन दिनों पंडित धीरेंद्र शास्त्री दिव्य हनुमंत कथा का पाठ कर रहे हैं। कथा के दौरान आज दिव्य दरबार का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के मुखिया सीएम साय भी शामिल होंगे।

वहीं, आज दिव्य दरबार के दौरान 50 से ज्यादा परिवार घर वापसी करेंगे। यानि जो हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म में चले गए थे वो परिवार के लोग फिर से सनातन धर्म में वापसी करेंगे। बता दें कि दिव्य दरबार में शामिल होने के बाद कल आधी रात से ही लोग कथा स्थल प्रगति मैदान में डटे हुए हैं।

बता दें कि हाल में कांकेर में शव दफनाने को लेकर हुए बवाल के बाद से लगातार लोग घर वापसी कर रहे हैं। इस घटना के बाद कांकेर जिले में रहने वाले करीब 10 परिवार के 50 से अधिक लोग हिंदू धर्म में वापसी कर चुके हैं। वहीं, चर्च प्रमुख ने भी कांकेर के शितला मंदिर में पूजा अर्चना कर सनातन धर्म में वापसी की है।

सांसद ने विजेता और उपविजेता टीम को किया सम्मानित

कवर्धा, 28 दिसम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि सांसद संतोष पांडेय ने विजेता और उप विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। बोड़ला में आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद संतोष पांडेय शामिल हुए। उन्होंने विजेता व उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। खिलाड़ियों से मुलाक़ात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान पार्टी के नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटील, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, अजित चन्द्रवंशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष काशीराम उईके, प्रेमकांत मिश्रा, पूर्व जनपद सदस्य नरेश चन्द्रवंशी, भाजपा महामंत्री अमित वर्मा राजेश साहू सुनील मानिकपुरी, संदीप गुप्ता, हुतेन्द्र चन्द्रवशी, जयराम साहू जिला सोसल मिडिया प्रभारी भाजयुमो अजय यादव, सोमनाथ धुर्वे, ईश्वर धुर्वे, नंदराज उईके, शिवम केशरवानी, प्रताप धुर्वे, अजय वर्मा, वरिष्ठ नेतागण, जनप्रतिनिधिगण, जिला व मंडल के पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण व नागरिकगण मौजूद थे।

जामुल में श्रद्धा व शौर्य के साथ मनाया गया वीर बाल दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल, 28 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी जामुल मंडल के नेतृत्व में वीर बाल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सिख धर्म के महान वीर योद्धा, गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादे बाबा फतेह सिंह और बाबा जोरावर सिंह की अद्वितीय शहादत को नमन करते हुए गुरुद्वारे में माथा टेका गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वीर साहिबजादों का बलिदान हमें यह सिखाता है कि साहस और धर्मनिष्ठा की कोई आयु नहीं होती। अल्पायु में भी

उन्होंने सत्य, धर्म और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया, किंतु अत्याचार के आगे कभी नहीं झुके। भाजपा जामुल मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें युवाओं में साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 में सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी, ताकि आने वाली पीढ़ियां इन वीरों के बलिदान से प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रधान गुरमीत सिंह, हरमीत सिंह, मंगे सिंह, बाबा सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं भाजपा जामुल मंडल से पूर्व मंडल अध्यक्ष पंडित संजय शर्मा, महामंत्री द्वय ओमप्रकाश साहू एवं ध्रुव देवांगन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण यादव, वरिष्ठ कार्यकर्ता अरुण सिंह, कोषाध्यक्ष सुभाष पांचाल, मीडिया प्रभारी संजय यादव, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष दीपक सिंह, अनिता साहू, रामचंद्र साहू, बजरंग सिन्हा, शिव वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयघोष के साथ हुआ।

महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में पांच दिवसीय खुली संगीत एवं नृत्य स्पर्धा का समापन

सेल के क्रीड़ा व सांस्कृतिक विभाग ने 120 कलाकारों का किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 दिसंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय खुली संगीत एवं नृत्य स्पर्धा-2025 का समापन समारोह महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार उपस्थित रहे। इस वर्ष आयोजित स्पर्धा में कुल 11 विभिन्न श्रेणियाँ शामिल रहीं, जिनमें प्रमुख रूप से हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन, कर्नाटक शास्त्रीय गायन, कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी सहित विभिन्न आयु वर्गों की नृत्य एवं

संगीत श्रेणियाँ सम्मिलित थीं। इन सभी श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 120 कलाकारों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में पवन कुमार ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र अपने कर्मियों के सर्वांगीण विकास तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्ति देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों का सफल आयोजन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कर्मियों एवं समाज में निहित प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें इस विधा में आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना है।

संचालन सुप्रियो सेन व धन्यवाद ज्ञापन प्रभंजय चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद, उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक, प्रसिद्ध कलाकार पी. टी. उल्लास कुमार, दुष्यंत हरमुख, सरजीत चक्रवर्ती तथा भालचंद्र शेगेकर का मत्वपूर्ण योगदान रहा।

नेहरू आर्ट गैलरी में ह्न्था समकालीन कला प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 दिसंबर। नेहरू आर्ट गैलरी में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं से प्रेरित आधुनिक सृजन को समर्पित समकालीन कला प्रदर्शनी ह्न्था का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी समकालीन कलाकारों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति, लोक संस्कृति और आधुनिक कला के समन्वय को सशक्त रूप से दर्शाएगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन 29 दिसंबर को संध्याकाल 5:30 बजे मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 29 से 31 दिसंबर तक आम दर्शकों के लिए प्रतिदिन सायं 05:30 बजे से रात्रि 08:30 बजे तक खुली रहेगी। कला प्रदर्शनी में अनिल खोबरागड़े, सुश्री अंकिता जेना, योगेश कुमार नेताम, शांति कुमार तिर्की, अभिजीत बागानी, दियांशु देवांगन, डॉ. तरूणा माथुर, जी के निर्मलकर, सुश्री जयश्री भगवानानी, सुश्री निकिता साहू, सुश्री राधिका चौहान, राजिंदर सिंह, रवि यादव तथा सुश्री वंदना परगनिहा द्वारा निर्मित कृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

एक नजर

नगर में स्थापित मूर्तियों में तोड़फोड़ संबंधी सूचना पर फॉरेंसिक टीम से कराई गई विधिवत जांच

बलौदाबाजार-भाटापारा 28 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में विभिन्न स्थानों पर स्वतंत्रता संग्राम तथा छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं रहन-सहन को प्रदर्शित करते हुए अलग-अलग मूर्तियों की स्थापना की गई। उक्त मूर्तियों के उपर तोड़फोड़ होने की सूचना नगर पालिका अध्यक्ष बलौदाबाजार द्वारा दर्ज कराई गई है। सूचना पर थाना सिटी कोतवाली का पुलिस बल एवं फॉरेंसिक अधिकारी श्री राजीव पंकज द्वारा उक्त मूर्तियों का विधिवत जांच किया गया, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि उक्त सभी मूर्तियों का निर्माण अत्यंत निम्न गुणवत्ता से हुआ है तथा मूर्तियों में पहले से ही दरार बना हुआ है। मूर्तियों का निम्न गुणवत्ता पूर्ण निर्माण एवं पहले से ही उनमें दरार होने से उक्त मूर्तियों का टूट कर गिरा होना प्रतीत हो रहा हैं। कि प्रकरण में पुलिस द्वारा लोक निर्माण विभाग को स्थापित मूर्तियों की समुचित जांच कार्यवाही करने हेतु पत्राचार किया गया है। लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर मूर्तियों का निर्माण कार्य करने वाली संबंधित एजेंसी के विरुद्ध विधिवत दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में स्थापित प्रतिमाओं एवं मूर्तियों की सुरक्षा व्यवस्था एवं उन पर 24 घंटे सतत् निगरानी करने के लिए, संबंधित स्थलों में उच्च क्वालिटी एवं पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा लगाने के सांथ ही उसका फीड, कंट्रोल रूम बलौदाबाजार में देने हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार को पत्राचार भी किया गया है।

सीईओ जिला पंचायत ने किया पीएम आवासों का औचक निरीक्षण

बलौदाबाजार, 28 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दिव्या अग्रवाल ने शनिवार को जनपद पंचायत सिमगा के विभिन्न ग्राम पंचायतों का आकस्मिक निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों व हितग्राहियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। सीईओ ने जनपद पंचायत सिमगा के ग्राम पंचायत दामाखेड़ा, किरवई, धोबनी एवं बछेरा का सघन दौरा किया जिसमें वर्ष 2024-25 और 2025-26 के निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवासों की जमीनी हकीकत से रूबरू हुई। इस दौरान विशेष रूप से हितग्राही निर्मला,मदन, विजय,दसरू एवं रमेश के आवासों का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान आवासों के निर्माण की धीमी गति पर नराजगी जाहिर की और संबंधित अधिकारियों व हितग्राहियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए एवं वर्ष 2025 26 के सभी आवासो को एक सप्ताह में प्रारम्भ कराने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जनपद सीईओ, जिला समन्वयक सहित अन्य अधिकारी -कर्मचारी मौजूद थे।

संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड सरोरा ने किया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 28 दिसंबर। संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड सरोरा के द्वारा ग्राम पंचायत ओटगन के 09 लोगों को निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन एमजीएम आई हॉस्पिटल रायपुर में 29 दिसंबर को करवाया जायेगा संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड, के सौजन्य से समता फाउंडेसन और ?म जी एम हॉस्पिटल रायपुर और ओम हॉस्पिटल रायपुर के विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम के सहयोग से ग्राम पंचायत ओटगन के पंचायत भवन में विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया शिविर में आस पास गावों के लोगों ने लाभ लिया . विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लगभग 317 मरीजों का निशुल्क इलाज किया गया.जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि वितरण की गई। नेत्र जाँच ,खून जाँच ,बी पी ,शुगर ,,जनरल चेकअप किया गया इस अवसर पर शिविर में पहुंचे तमाम डॉक्टर और अतिथियों का फूलों के साथ स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह दे कर उन्हें सम्मानित भी किया गया. संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड, की सी एस आर हेड श्रीमती शीतल गोयल ने कहा की जाँच में जिन मरीजों को मोतियाबिंद निकला है उनका हमारे द्वारा मुफ्त में ऑपरेशन कराया जायेगा उन्होंने कहा की हमें छोटी सी छोटी बीमारियों को हल्के में नहीं लेना चाहिए समय रहते डॉक्टरों से परामर्श कर स्वास्थ्य लाभ लेना चाहिए हम गरीबों के लिए हमेशा तैयार हैं इसी प्रयास में इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क दवाओं का वितरण, आंखों की जांच, नजर के चश्मे का वितरण तथा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांचें निशुल्क की गई साथ ही जांचकर्ताओं को मच्छर दानी मुफ्त वितरण किया गया । शिविर में वृद्ध जनों तथा युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। नि : शुल्क चिकित्सा शिविर में प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत ओटगन के सरपंच हिमांशु तिवारी उपसरपंच श्रीमती कामिनी ध्रुव एवं पंच गण तथा ग्राम के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे ,कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड के एम जी के मूर्ति ,सुचिता जैन , ,चरण जीत राय ,हिमांचल ,राकेश कुमार ,जितेंद्र वर्मा ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

भारतीय रेलवे अगले पांच सालों में 48 शहरों में रेलगाड़ी संचालन क्षमता को दुगुना करेगा

रेलवे की इस महत्वाकांक्षी योजना में छग की राजधानी रायपुर को भी किया गया है शामिल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 28 दिसंबर। भारतीय रेलवे द्वारा अगले पाँच वर्षों में देश के 48 प्रमुख शहरों में रेलगाड़ियों की संचालन क्षमता को दोगुना करने की जो महत्वाकांक्षी योजना तैयार की गई है, उसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भी शामिल किया गया है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के करोड़ों यात्रियों के लिए बड़ा तोहफा है और इससे राज्य की कनेक्टिविटी, व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा घोषित इस योजना से छत्तीसगढ़ जैसे उभरते हुए राज्य को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर जंक्शन देश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है और यहाँ प्रतिदिन लाखों यात्री आवागमन करते हैं। संचालन क्षमता दोगुनी होने से लोगों को अधिक ट्रेनें, बेहतर आवृत्ति तथा कम भीड़भाड़ का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर के साथ-साथ अन्य औद्योगिक और वाणिज्यिक नगरों के लिए भी यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। रेल संरचना के विस्तार से निवेश, रोजगार और लॉजिस्टिक्स की सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। रेल मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता दोगुनी करने के लिए मौजूदा टर्मिनलों पर अतिरिक्त प्लेटफार्म, पिट लाइन एवं स्टेबलिंग लाइन का निर्माण,

शहरी क्षेत्र और आसपास नए टर्मिनलों की स्थापना, सिग्नलिंग, यार्ड आधुनिकीकरण और मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि और मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स एवं आधुनिक रखरखाव सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर में इन सुविधाओं के विकसित होने से आम यात्रियों के साथ-साथ छात्रों, मरीजों, उद्योगपतियों और व्यापारियों सभी वर्गों को राहत मिलेगी। राज्य सरकार रेलवे मंत्रालय के साथ समन्वय स्थापित कर इस योजना को तेज गति से धरातल पर उतारने के लिए हर संभव सहयोग देगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ देश के सर्वाधिक बेहतर रेल संपर्क वाले राज्यों में शामिल होगा और यह परिवर्तन ÷विकसित भारत ञ्च2047÷ के संकल्प को सशक्त करेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में 41 हजार करोड़ रूपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार का काम तेजी से चल रहा है, जिसमें रेल्वे ट्रैक का विस्तार, रेलवे लाईन का दोहरीकरण, रेलवे फ्लाई ओवर एवं ब्रिज आदि का निर्माण शामिल है। केंद्र सरकार ने इस साल के बजट में छत्तीसगढ़ राज्य में रेल्वे सुविधा के विकास के लिए 6925 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। इससे राज्य में रेल परियोजनाओं के कामों को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में रेलवे के उन्नयन और विकास के लिए 41,000 करोड़ रुपए के निवेश से नई रेल लाइनों, रेलवे फ्लाईओवर और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में रेलवे का शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय रेलवे मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व रेल परियोजनाओं की सौगात मिली है। ये परियोजनाएं राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी और जनता को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय के कारण छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क विस्तार की ऐतिहासिक पहल हो रही है। इससे यात्री सुविधाओं में सुधार के साथ-साथ औद्योगिक, खनिज और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क विस्तार से न केवल यात्री परिवहन बल्कि खनिज संपदा और औद्योगिक उत्पादों के निर्यात में तेजी आएगी। इससे राज्य में व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

लवन पुलिस शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई कर रही

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 28 दिसंबर । पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम एवं शराबी वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की चेकिंग कर उनके वाहन विधिवत जप्त करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया भी लगातार की जा रही है, जिसके तहत चेकिंग अभियान में थाना लवन पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से चेकिंग कर 01 वाहन चालक को शराब पीकर, वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस द्वारा प्रकरण में चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए, उसका वाहन विधिवत जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसमें आज दिनांक 26.12.2025 को माननीय न्यायालय द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाहन चालक लक्ष्मण साहू उम्र 28 साल निवासी ग्राम सेडाभाट थाना पामगढ़ को ?10,000 अर्थदंड का आदेश दिया गया है। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों पर कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

ग्राम डूंडेरा में अवैध शराब की बिक्री से माहौल खराब हो रहा

■ शराब बिक्री में एक दर्जन से अधिक कोचिये सक्रिय

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 28 दिसंबर। डूंडेरा - इन दिनों थाना क्षेत्र डोंगरगढ़ के क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत डूंडेरा में अवैध शराब बिक्री जोरो पर है। बताया जाता है कि नशे के इस कारोबार से फायदा उठाने के लिए होड़ सी लगी है जिसको अंजाम तक पहुंचाने के लिए ग्राम में एक दर्जन से अधिक कोचिये सक्रिय है जो गांव सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में शराब की खेप खुलेआम पहुंचाते नजर आ रहे है जिससे पुलिस व आबकारी विभाग की कार्यवाही पर सवाल खड़े करने लगे है। बताया जाता है कि पूर्व में ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम पटेल, पंच सहित ग्रामीणों ने गांव में नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाया गया था और गांव में नशा बेचने वालों के विरुद्ध दंड दिए जाने का फरमान जारी हुआ था जिसमें गांव के एक कोचिया को टारगेट बनाते हुए दंड देते हुए उसके परिवार का बहिष्कार भी कर दिया गया था परन्तु शासन प्रशासन की समझाइश पर नशे के व्यापार को बंद करने की लिखित सहमति पत्र लेने पर समाज में मिलाकर गांव में पूर्ण रूप से नशाबंदी कराई गई थी। इस घटना के 6 माह बीतने के बाद गांव में एक दर्जन से अधिक नए शराब कोचियों के द्वारा खुलेआम शराब की बिक्री कर माहौल पुनः खराब करने की बात सामने आ रही है। वहीं खास सूत्रों से जानकारी सामने आई है कि सरपंच और ग्राम पटेल की मिलीभगत से इन कोचियों के हौसले बुलंद है जो गांव और पुलिस से सांठगांठ होने का दावा करते अवैध शराब की खेप आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से अवैध शराब बिक्री व सप्लाई करने का कार्य कर रहे है। अब देखना होगा कि नशामुक्त ग्राम डूंडेरा में इन नए कोचियों के विरुद्ध ग्रामवासियों के द्वारा कोई ठोस कदम उठाया जाता है या फिर मामला ठंडे बस्ते में डाला जाएगा।

दो पार्षदों ने पीआईसी से इस्तीफा दिया तो नपाध्यक्ष ने नई पदस्थापना की घोषणा की

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 28 दिसंबर। अटल बिहारी वाजपेई के लोकार्पण कार्यक्रम में दो पार्षदों ने पीआईसी से इस्तीफा सौंपा था. जिसके चलते आज नगर पालिका अध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया ने तत्काल नहीं पद स्थापना की घोषणा की जिसकी चर्चा नगर में जोरों से है आज नगर पालिका सिमगा में प्रियंका अनूप तिवारी व वार्ड नंबर 11 के पार्षद टुपेष उर्फटेबु देवांगन ने श्च द्ब ष से दिनांक 25/12/2025 को भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी को अपना इस्तीफा सौपा एवं आज नगर पालिका अधिकारी सीएमओ रमाकांत साहू को अपना विधिवध इस्तीफा सोंपा जिसकी खबर लगते ही नगर पालिका अध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया ने तत्काल नई घोषणा करते हुए सुमन साहू वार्ड नंबर 12 भारती पाटकर वार्ड नंबर 6 की सभापति पद की घोषणा की जिस पर पार्षदों ने अध्यक्ष को बधाई दी गौर तलब हो की हरदीप सिंह भाटिया की राजनीतिक छवि 1994 में कंकालिन पर वार्ड से पार्षद चुने गए 1999 से अध्यक्ष पद दो बार संभालते हुए सिमगा नगर की एक अलग ही पहचान दी उनके विकास कार्यों में सरोपी तालाब की सौंदर्य करण नया बस स्टैंड शमशान घाट खंडवा मैदान मिनी स्टेडियम जैसे कई कार्यो को अंजाम दिए आज फिर सिमगा नगर वासी विकास कार्यों का बात जो रहा है श्री भाटिया ने आज पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा की मेरे आदर्श शिवरतन शर्मा हमेशा रहे हैं सिमगा विकास के लिए मुझे हमेशा मार्गदर्शन देते रहे उनका सहयोग वह मेरी मेहनत का आज विकास नगर में देखने को मिल रहा है साथ ही साथ पत्रकारों ने समाचार के माध्यम से मेरी कमजोरी को भी बताया जिसके चलते मैं अपनी कमजोरी को भूलकर विकास की ओर ध्यान दिया।

दो पक्षों में हुई मारपीट,दोनों पक्षों के लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 28 दिसंबर। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हरदेवलाल पारा निवासी मोहन साहू ने दिनांक 26 दिसंबर के लगभग 1.23 बजे थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 25 दिसंबर को 2 बजे ट्रक मालिक अलाउद्दीन अंसारी ने अपने ट्रक चलाने के लिए नया ड्राईवर बुलाया था जिसे मेरे बड़े भाई दुजराम साहू बरगला कर मेरे गाड़ी चलाने से मना कर रहां है कहकर मां बहन की गंदी गंदी अश्लील गाली दे रहा है बताया तो मैं अलाउद्दीन अंसारी के दुकान के पास जाकर अलाउद्दीन क्यो गाली दे रहे हो कहकर पुछताछ किया तो हम लोग आपस में समझ गये थे । उसके बाद रात्रि 8 बजे लगभग पूर्व की बात को लेकर अलाउद्दीन अंसारी के लड़के लोग मेरा छोटा भाई कृष्णा साहू के आटो पार्ट्स दुकान में आकर मेरे पुत्र प्रांजल साहू को पुछताछ किये । जिसकी सूचना दुकान के काम करने वाले रूपेश साहू ने प्रांजल साहू को दुकान में कोई पुछ रहा है कहकर बताये तो मेरे पुत्र प्रांजल दुकान जाने के लिये तैयार हो रहा था तो मैं उनको लेकर अपने आटो से साहू आटो पार्ट्स दुकान के पास पहुंचे जैसे ही आटो से उतरे तो अलाउद्दीन अंसारी के लड़के आबिद अंसारी एवं साजिद अंसारी अपने हाथ में लोहे का राड एवं डंडा लेकर मां बहन की गंदी गंदी अश्लील गालियां देते हुए आज तुम दोनों को जान से मारेंगे कहते हुए हाथ में रखे लोहे का राड एवं डंडा से प्रांजल के उपर प्राण घातक हमला करते हुये मारपीट किये जिससे प्रांजल के सिर एवं बांया हाथ में चोंट लगने से जमीन पर गिर गया । जिसे मैं उठाने लगा तो उसी समय अलाउद्दीन अंसारी एवं उसके परिवार के हामिद अंसारी इरफान अंसारी हनिफ अंसारी साहिल अंसारी निवासी सिमगा आये एवं सभी एक राय होकर मां बहन की गंदी गंदी अश्लील गालिया देते हुये आज तुम दोनों को जान से ही मार देंगे कहकर जान से करने की नीयत से हाथ मुक्का डंडा हाकी स्टीक एवं लोहे के राड से मारपीट किये है जिससे मेरा दाहिना हाथ के कोहनी के पास चेहरा मुंह बाया जांघ के उपर घोंटें आई है । यदि मैं मेरे पुत्र प्रांजल साहू को नहीं बचाते तो सभी लोग मिलकर मेरे पुत्र को जान से मार देते । मारपीट होते देख कर पास ही के प्रहलाद सेलून के संचालक कुश सेन बीच बचाव करने आया तो उसके साथ भी सभी मिलकर तुम छुड़ाने वाला कौन होता है कहकर मारपीट किये है जिससे कुश सेन के सिर एवं हाथ में चोंटे आई है । पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध धारा 191 (2) 191 (3) 296 351(3) 115 (2) 109 के तहत् अपराध दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है जंहा न्यायाधीश ने जेल भेज दिया। वहीं दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर मोहन साहू दुजराम साहू प्रांजल साहू टिंगु साहू के खिलाफअपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

शहीद गैंद सिंह नायक ने किया स्वाधीनता आंदोलन का सर्वप्रथम शंखनाद

देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों का योगदान अद्वितीय:सीएम साय

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 28 दिसंबर। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ राष्ट्र व समाज के नवनिर्माण में आदिवासी नायकों एवं महापुरूषों का अद्वितीय योगदान है। हल्बा, हल्बी एवं आदिवासी समाज सहित संपूर्ण भारतवर्ष के गौरव शहीद गैंद सिंह नायक ने हमारे देश में आजादी का आंदोलन का सर्वप्रथम शंखनाद किया था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जिला मुख्यालय दुर्ग के गोकुल नगर स्थित हल्बा शक्ति स्थल में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी समाज द्वारा आयोजित 35वां मिलन समारोह एवं शक्ति दिवस पर्व को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर हल्बा-हल्बी समाज के नवनिर्मित कार्यालय का लोकार्पण भी किया। श्री साय ने शक्ति स्थल में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हल्बा समाज के युवा-युवतियों को आवासीय कोचिंग सुविधा प्रदान करने हेतु 50 लाख रूपए तथा पुलगांव दुर्ग स्थित कंवर समाज के सामाजिक भवन में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण हेतु 25 लाख रूपए की स्वीकृत किए जाने की घोषणा भी की। इस अवसर पर उन्होंने हल्बा-हल्बी समाज के सामाजिक पत्रिका 'समाज' का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य सहित पूरे देश में आजादी के आंदोलन का सूत्रपात सर्वप्रथम जनजातीय समाज के नायको ने किया था। शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंद सिंह नायक सहित जनजाति नायकों एवं देशभक्तों ने अंग्रेजों के खिलाफ कुल 14 क्रांतियों का शंखनाद किया था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी ने जनजाति वर्ग के उत्थान एवं विकास के लिए सर्वप्रथम केन्द्रीय जनजाति कार्यालय मंत्रालय का गठन भी किया गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राजधानी रायपुर में जनजाति समाज के नायकों एवं वीर सपूतों के योगदान तथा अमर गाथाओं को नई पीढ़ी को परिचित कराने साथ-साथ उसके संरक्षण और संवर्धन हेतु विशाल आदिवासी संग्रहालय का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी की अधिकांश गारंटियों को प्राथमिकता से पूरा किया है। राज्य की लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ, तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रूपए प्रति मानक बोरा के हिसाब से पारिश्रमिक तथा किसानों को धान का मूल्य 3100 रूपए प्रति क्विंटल दिया जा रहा है। 26 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की मंजूरी दी गई है। राज्य में भी नक्सलवाद अपने अंतिम सांस गिन रहा है। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से 400 से अधिक गांवों में विकास के काम तेजी से हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर पूरे देश में अग्रणी राज्य बनाने हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को सांसद श्री विजय बघेल और पूर्व मंत्री श्री महेश गागड़ा, हल्बा-हल्बी समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री खलेन्द्र ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष श्री ललित चन्द्राकर, अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

महापुरुष किसी परिवार के नहीं देश के होते हैं...

किसी भी देश में महापुरुष होते हैं तो वह देश के लिए काम करने लिए ही महापुरुष माने जाते है, उनके काम से देश का भला होता है,देश का विकास होता है, इसलिए उनके योगदान को याद करने के लिए उनकी जयंती व पुण्यतिथि मनाई जाती है। उनके नाम पर स्कूल कॉलेज, विश्वविद्यालय,शासकीय संस्थाओं के नाम रखे जाते हैं,उनकी प्रतिमा स्थापित की जाती है।महापुरुष किसी परिवार,समाज के नहीं होते हैं,वह देश के होते हैं,इसलिए उनके साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।आजादी के पहले से लेकर आजादी के बाद देश में हर राज्य, हर समाज में महापुरुष हुए हैं।सबने देश के भले के लिए काम किया है, देश के लोगों को मार्गदर्शन किया है,उनके देश के लिए किए गए योगदान को याद रखने के लिए सबको बराबर सम्मान दिए जाने की जरूरत थी लेकिन अफसोस है कि ऐसा कई दशकों तक नहीं किया गया। इस बात की आलोचना की जानी चाहिए और आज जब एक ही पार्टी का शासन देश व कई राज्यों में नहीं है तो इसे याद किया जाता है और लोगों को बताया जाता है कि पहले और आज की सरकारों में क्या अंतर है। पीएम मोदी ने लखनऊ में प्रेरणा स्थल पर श्यामाप्रसाद मुखर्जी,दीनदयाल उपाध्याय व अटलबिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए देश के लोगों को याद दिलाया कि आजादी के बाद देश में एक प्रवृत्ति विकसित हो गई थी कि प्रत्येक सकारात्मक उपलब्धि का श्रेय एक ही परिवार को दिया जाए।परिवार के लोगों की मूर्ति देश भर में स्थापित की गई।देश की आजादी से लेकर देश के नवनिर्माण का श्रेय एक ही परिवार को दिया गया। परिवारवाद व तुष्टिकरण के कारण दशकों तक सत्ता कुछ परिवारों तक ही सीमित रह गई थी।एक परिवार ने देश को बंधक बना रखा था।भाजपा ने इस सोच को खत्म किया और बिना भेदभाव के सबका विकास कर सच्चा सेक्यूलरिज्म (पंथनिरपेक्षता)स्थापित किया। यह सच भी है कि देश के बड़े पुरस्कार पहले एक ही परिवार के लोगों को दिए जाते थे, परिवार के करीबी लोगों को दिए जाते थे। २०१४ के पहले देश के कई महापुरुषों को जो सम्मान मिलना था एक परिवार के लोगों को सारा सम्मान देने के कारण नहीं मिल पाया था, उनमें कई महापुरुषों को सम्मान एक परिवार का शासन देश से समाप्त होने पर तथा मोदी युग शुरू होने पर मिला है। भाजपा की सरकार बनने के बाद ही एक परिवार की जगह देश के बरसों से उपेक्षित महापुरुषों सरदार वल्लभ भाई पटेल,सुभाषचंद्र बोस,बाबा साहेब आंबेडकर,बिरसा मुंडा,सुहेल देव,वीरनारायण सिंह, चौरीचौरा के शहीदों को पूरा सम्मान दिया गया है।पहले एक ही परिवार से पीएम बने लोगों का संग्रहालय हुआ करता था।उन्हीं को पूरा सम्मान मिला करता था। पीएम मोदी के आने के बाद देश के पीएम संग्रहालय में सभी पीएम का पूरा सम्मान किया गया है। पहले दूसरे दलों के नेताओं को कोई राष्ट्रीय सम्मान नहीं मिलता था,पीएम मोदी के आने के बाद देश के राष्ट्रीय नेता नरसिम्हा राव,प्रणव मुखर्जी,मुलायम सिंह यादव, तरुण गोगोई जैसे नेताओं को सम्मान मिला है। सीधी सी बात है कि जो राजनीतिक दल सत्ता में रहता है,उसी के नेताओं का सम्मान होता है। पहले कांग्रेस सत्ता में बरसों रही इसलिए कांग्रेस नेताओं का सम्मान किया जाता रहा। अब देश में व राज्यों में कांग्रेस की सरकार नहीं है और भाजपा की सरकार है तो भाजपा के नेताओं के साथ ही कांग्रेस व दूसरे दलों के नेताओं का भी सम्मान हो रहा है।भाजपा के शासन में एक अच्छी बात तो यह है कि उसने सिर्फ भाजपा नेताओं का ही सम्मान नहीं किया।उसने सबसे पहले देश के अब तक उपेक्षित रहे बड़े नेताओं का सम्मान किया। उसके बाद उसने अपनी पार्टी के बड़े नेताओं जैसे श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय,अटलबिहारी वाजपेयी का सम्मान किया। देश में भाजपा का दस साल शासन रहने के बाद पहली बार लखनऊ में तीन बड़े नेताओं का ऊंची मूर्ति स्थापित की गई और उसका नाम प्रेरणास्थल रखा गया है ताकि लोग उनसे प्रेरणा ले सकें कि देश की सेवा कैसे की जाती है। छत्तीसगढ़ का निर्माण पीएम रहते अटलबिहारी वाजपेयी ने किया था,इसलिए छत्तीसगढ़ में अटलबिहारी वाजपेयी को उनके जन्मदिन व पुण्यतिथि पर विशेष रूप से याद किया जाता है।वर्तमान में राज्य में भाजपा सरकार है इसलिए अटल बिहारी वाजपयी का जन्मदिन विशेष तौर पर मनाया गया और उनके छत्तीसग़ढ़ व देश के विकास में किए गए योगदान को याद किया गया।दूसरे दलों के लोगों को लग सकता है कि अटलबिहारी वाजपेयी के जन्म दिन पर राज्य मे ११५ जगह उनकी मूर्तियां लगाने व अटल परिसर बनाने की क्या जरूरत थी।हकीकत में यह तो कुछ भी नहीं है क्योंकि अटलबिहारी वाजपेयी ने ही छ्त्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर राज्य के लोगों के अलग छत्तीसगढ़ राज्य के सपने को पूरा किया है। जो किसी राज्य के लोगों के सपने को पूरा करता है, उसके प्रति सम्मान तो इसी तरह पूरे राज्य में उनकी प्रतिमा लगाकर किया जाता है। यही साय सरकार ने किया है तो इसकी तारीफ की जानी चाहिए कि राज्य में लोग जहां भी अटल बिहारी प्रतिमा को देखेंगे तो याद करेंगे की यही वह महापुरुष है जिसने राज्य के लोगों के एक सपने का साकार किया है।

अभियान

नक्सली आतंक से पूर्ण मुक्ति की ओर लाल गलियारा

प्रमोद भार्गव

नक्सली अभियान के विरुद्ध ओडिशा में एक नई सफलता मिली है।कंधमाल जिले में चली एक मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने चार माओवादियों को मार गिराया। इनमें 1.20 करोड़ रुपए के इनामी ओडिशा राज्य समिति के प्रभारी 69 वर्षीय गणेश उइके और दो महिलाएं भी शामिल हैं।इससे पता चलता है कि समूचे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में महिलाएं भी सशक्त भूमिका निभा रहीं हैं।गणेश के मारे जाने के बाद अब ओडिशा नक्सल मुक्त होने की दिशा में तेजी से बढ़ेगा।इसके पहले बसव राजू और हिड़मा समेत नक्सली केंद्रीय समिति के एक दर्जन से अधिक शीर्ष माओवादी मुठभेड़ में मार गिराए गए हैं।इन नेतृत्व कर्ताओं की मृत्यु के बाद संगठनों का वर्चस्व खात्मे की ओर है।अतएव हम कह सकते हैं कि गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक माओवाद के समूल नाश का जो वचन दिया है, वह पूरा होगा। माओवादी अर्से से देश में एक ऐसी जहरीली विचारधारा रही है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का समर्थन मिलता रहा है। ये बौद्धिक नक्सली संगठनों को आदिवासी समाज का हितचिंतक मानते रहे हैं, जबकि जो आदिवासी नक्सलियों के विरोध में रहे, उन्हें इनकी हिंसक क्रूरता का शिकार होना पड़ा है। बावजूद इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश के वामपंथी दलों को कभी भी सुरक्षाबलों का नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा सफाये का अभियान पसंद नहीं आया। इसिलए जब मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने नक्सलवाद के खिलाफ ऑपरेशन ग्रीनहंट चलाया था,तब उसका पुरजोर विरोध कांग्रेस समेत सभी सहयोगियों दलों ने किया,फलतः ऑपरेशन तो किसी नतीजे पर पहुंचे बिना ही दम तोड़ता चला गया,परंतु नक्सली संगठन के स्तर पर मजबूत और सुरक्षा बलों के लिए घातक होते चले गए। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार ने सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी है, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्र में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात कर चुकी है। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-2014 की तुलना में 2014 से 2024 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10

सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004 से 2014 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई हैं और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वे आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना कठिन होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती हैं। लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगने जा रहा है। व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पश्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन शुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक कुछ साम्यवादी नेता, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था।लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल लक्ष्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्र प्रदेश और अविभाजित मध्य-प्रदेश के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेश शामिल थे। किंतु विषमता और शोषण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रक्रिया ने देश में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया था, जो पशुपति (नेपाल) से तिरुपति (आंध्रप्रदेश) तक जाता है। इस पूरे क्षेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसर गया था। इसने नेपाल, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के एक ऐसे बड़े हिस्से को अपनी गिरफ्त में ले लिया था जो बेशकीमती जंगलों और खनिजों से भरे हैं। छत्तीसगढ़ के बैलाडीला में लौह अयस्क के उत्खनन से हुई यह शुरुआत ओड़ीसा की नियमगिरी पहाड़ियों में मौजूद बॉक्साइट के खनन तक पहुंच गई थी। यहां आदिवासियों की जमीनें वेदांता समूह ने अवैध हथकंडे अपनाकर जिस तरीके से छीनी थीं, उसे गैरकानूनी खुद देश की सर्वोच्च न्यायालय ने ठहराया था। हालांकि खबरें तो यहां तक हैं कि पाकिस्तान और चीन माओवाद को बढ़ावा देने की दृष्टि से हथियार पंहुचाने की पूरी एक श्रृंखला बनाए हुए हैं। चीन ने नेपाल को माओवाद का गढ़ ऐसे ही सुनियोजित षड्यन्त्र रचकर वहां के हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को ध्वस्त किया। नेपाल के पशुपति से तिरुपति तक इसी किस्म के माओवाद को आगे बढ़ाने की मानसिकता को तथाकथित शहरी बौद्धिकों ने प्रोत्साहित किया। किंतु केंद्र नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद से राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बने इस चरमपंथ के दिन गिनती के रह गए हैं।

सू- दोकू क्र.272

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.271 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -272

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ु लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■		24	■	25	
26			■	27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 271 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए करियर के लिहाज अच्छा रहने वाला है। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे। विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को कोई अच्छा ऑफर मिल सकता है। आप अपने सहयोगियों से मन की बात कह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी पॉलिटिक्स का हिस्सा न बने, नहीं तो इसके साथ आपकी नौकरी में समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की पूरी कोशिश करेंगे। व्यापार में आपको अच्छा धन लाभ मिलने के योग बनते दिख रहे हैं।

वृष आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस बनाएंगे। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। नौकरी में कार्यरत लोगों को कामयाबी मिलने से उसको प्रमोशन आदि मिल सकता है। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरे होने से दिल काफी खुशी रहेगा। माता-पिता का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा, जिससे आपका रिश्ता मजबूत बना रहे।

मिथुन आज आपकी नेतृत्व क्षमता बेहतर रहेगी, लेकिन आपको अपने कामों में कुछ कठिनाइयां तो आएंगी फिर भी आप उनका डटकर सामना करेंगे। किसी नए बिजनेस की आप योजना बना सकते हैं। आप संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को लेकर आएंगे। आपके ऊपर यदि कोई लोन चल रहा था, तो उसे भी आप उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। आप योग व व्यायाम से अपनी छोटी-मोटी समस्याओं को आसानी से दूर कर सकते हैं। पैसे के मामले में आपको कोई जरूरी जानकारी मिल सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए खर्चा भरा रहने वाला है। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपकी टेंशनों को बढ़ा सकते हैं। नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे लोग फिलहाल रुक जाए, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको अपने कामों को ईमानदारी से करने की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति आपकी बेहतर रहेगी। सेहत में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ मिलकर आप संतान के करियर को लेकर कोई डिसीजन ले सकते हैं।

सिंह आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपके रिश्ते में नयापन आएगा, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आपको सामाजिक दायरे में रहकर ही काम करना होगा। आप अपने बिजनेस की योजना में कोई बदलाव न करें, नहीं तो बाद में आपको समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप किसी पूजा पाठ में शामिल हो सकते हैं। आप जीवनसाथी को कहीं शॉपिंग आदि पर लेकर जा सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई में व्यस्त रहेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए कामो में नई-नई ऊंचाइयां लेकर आएगा। पारिवारिक संबंधों में सामंजस्यता बनी रहेगी। आपको अपने किसी दुर रहे परिजन की याद सता सकती है। नौकरी में कार्यरत लोग अपने प्रमोशन को लेकर अपने बॉस से बातचीत कर सकते हैं और आप किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा ना करे। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है। आपकी कोई शुगर या बीपी से संबंधित समस्या बढ़ सकती है।

तुला आज का दिन आपके लिए चुनौतियों भरा रहने वाला है। आप जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें। आर्थिक मामलों को लेकर आप किसी पर भरोसा ना करें। परिवार के सदस्यों के साथ आप खुलकर बातचीत करें, जिससे कि दोनों के बीच आपसे किसी बात को लेकर तनाव है, तो वह भी दूर हो सकेगा। आप अपने व्यापार में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें, क्योंकि उससे आपको धोखा मिलने की संभावना है। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपको किसी काम को लेकर यदि थकान थी, तो वह भी दूर होगी। आप काम के साथ-साथ आराम के लिए भी समय निकाले। जीवनसाथी से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही है, तो उसमे भी आप ढील देने की कोशिश करें। आपके मन में किसी काम को लेकर निराशा बनी रहेगी। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में छोटी-मोटी बातो को लेकर नोंक झोंक हो सकती है। आप काम को लेकर कोई बड़ा जोखिम न ले। आपको किसी पारिवारिक समस्या को छोटा नहीं समझना है। आप अपने मन में कोई बात ना रखें। यदि आपको कोई समस्या महसूस हो, तो उसके लिए आप अपने पिताजी से बातचीत अवश्य करें। निजी मामलों को तो आप घर में रहकर ही निपटाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। दोस्तों के साथ आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपके कुछ छुपे हुए शत्रु आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आप दिखावे के चक्कर में अत्यधिक धन व्यय ना करें। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आप अपने किसी जमीन जायदाद के मामले को लेकर वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

कुंभ आज का दिन व्यापार में कुछ अड़चनें लेकर आने वाला है। आपको किसी काम को लेकर तनाव हो सकता है। आप अपनी बुद्धि व विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान कर सकते हैं। दांपत्य जीवन में प्यार व स्नेह बना रहेगा। आपको किसी परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपको भाग दौड़ अधिक करनी होगी। आप किसी अजनबी के बातों में ना आए और कोई निर्णय सोच समझ कर लें।

मीन आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। परिवार में आपको सुख शांति बनाए रखनी होगी। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपको यदि कोई वाहन चलाएं, तो बहुत ही सावधानी से चलाएं, नहीं तो कोई चोट चपेट आदि भी लगने की संभावना है। आप अपनी संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे।

स्मरण

रामानंद सागर : भारतीय दूरदर्शन के स्वर्णिम युग के शिल्पकार

सुनील कुमार महला

भारतीय टेलीविजन के सांस्कृतिक शिल्पकार, निर्माता-निर्देशक रामानंद सागर को आखिर कौन नहीं जानता ? उनका जन्म लाहौर के नजदीक असल गुरु नामक स्थान पर 29 दिसम्बर 1917 को एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। उनका मूल नाम चंद्रधर शर्मा था।वे भारतीय टेलीविजन और सिनेमा जगत की ऐसी शख्सियत/नाम व जीवंत किंवदंती हैं, जिन्होंने अपनी रचनात्मकता से भारतीय संस्कृति और धार्मिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाया। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार उन्हें उनकी नानी ने गोद ले लिया था तथा पहले उनका नाम चंद्रमौली था, लेकिन नानी ने उनका नाम बदलकर रामानंद रख दिया। जानकारी के अनुसार दहेज लेने का विरोध करने के कारण उन्हें घर से बाहर कर दिया गया था और इसके साथ ही उनका जीवन संघर्ष आरंभ हो गया। उन्होंने पढ़ाई जारी रखने के लिए ट्रक क्लीनर और चपरासी की नौकरी की। वे दिन में काम करते और रात को पढ़ाई। मेधावी होने के कारण उन्हें पंजाब विश्वविद्यालय [पाकिस्तान] से स्वर्ण पदक मिला और फारसी भाषा में निपुणता के लिए उन्हें मुंशी फज़ल के खिताब से नवाजा गया।करियर की शुरुआत उन्होंने लेखक और पत्रकार के रूप में की, लेकिन बाद में फिल्म और टेलीविजन के माध्यम से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। बंटवारे के समय 1947 में वे भारत आ गए थे तथा मुंबई को अपनी कर्मभूमि बनाया।

पारिवारिक जीवन और रामायण की लोकप्रियता:- रामानंद सागर का पारिवारिक जीवन सादगी और संस्कारों से भरा हुआ था। उनके परिवार में साहित्य, संस्कृति और कला के प्रति गहरी रुचि रही। उनके पुत्र प्रेम सागर ने पिता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए फिल्म और टेलीविजन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई और सागर आर्ट्स के माध्यम से कई धार्मिक व पौराणिक धारावाहिकों का निर्माण किया। रामानंद सागर का परिवार आज भी भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने के कार्य में योगदान देता आ रहा है।जब वे भारत आए, उस समय उनके पास संपत्ति के रूप में महज पांच आने थे। भारत में वह फिल्म क्षेत्र से जुड़े और 1950 में खुद की प्रोडक्शन कंपनी 'सागर आर्ट्स' बनाई, जिसकी पहली फिल्म मेहमान थी। वर्ष 1985 में वह छोटे परदे की दुनिया में उतर गए तथा वर्ष 1987 में प्रसारित धारावाहिक 'रामायण' ने उन्हें अपार लोकप्रियता दिलाई और यह भारतीय टीवी इतिहास का सबसे यादगार कार्यक्रम बन गया। रामायण के प्रसारण के समय पूरा देश मानो थम सा जाता था और लोग इसे श्रद्धा के साथ देखते थे। गौरतलब है कि धारावाहिक रामायण की लोकप्रियता भारतीय टेलीविजन के इतिहास में अभूतपूर्व मानी जाती है। रामानंद सागर द्वारा निर्मित यह धारावाहिक जब पहली बार 25 जनवरी 1987 से 31 जुलाई 1988 के बीच दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ, तब हर रविवार देश मानो थम-सा जाता था। बुजुर्ग बताते हैं कि उस समय 80-90 प्रतिशत तक टीवी दर्शक रामायण देखते थे। कई स्थानों पर लोग टीवी के सामने दीप तक जलाते थे, प्रसारण के समय सड़कें सूनी हो जातीं थीं और गाँव-शहरों में सामूहिक रूप से इसे देखा जाता था। इसे केवल एक धारावाहिक नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का उत्सव माना गया। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्ष 1987-88 में दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक 'रामायण' ने भारतीय टीवी इतिहास में क्रांति ला दी थी। उस समय यह धारावाहिक केवल मनोरंजन का साधन नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन बन गया। रामायण के प्रसारण के समय लोग टीवी के सामने दीप जलाकर बैठते थे, दुकानों और सड़कों पर सन्नाटा छा जाता था और पूरा देश एक साथ इस महाकाव्य को देखता था। इससे न केवल रामकथा घर-घर पहुँची, बल्कि समाज में नैतिकता, मर्यादा और आदर्शों पर नई चर्चा शुरू हुई।

लॉकडाउन के समय रामायण का टेलीविजन पर पुनः प्रसारण:-रामायण की भारी व बड़ी लोकप्रियता के चलते इसे टेलीविजन पर 28 मार्च 2020 को फिर से शुरू किया गया। यह प्रसारण कोरोना महामारी के दौरान देशव्यापी लॉकडाउन के समय दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल डीडी नेशनल पर किया गया। आश्चर्यजनक रूप से, तीन दशक बाद भी इस धारावाहिक ने रिकॉर्ड तोड़ लोकप्रियता हासिल की और यह दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले धारावाहिकों में शामिल हो गया।इस प्रकार, रामायण की लोकप्रियता समय, पीढ़ी और माध्यम की सीमाओं को पार करते हुए आज भी उतनी ही जीवंत बनी हुई है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि रामानंद जी को लोग तुलसी जी का अवतार मानने लगे थे।सीमित संसाधनों और साधारण तकनीक के बावजूद रामानंद सागर ने कथा, संवाद और भावनाओं के बल पर दर्शकों के मन में गहरी छाप छोड़ी। इसके अलावा 'कृष्णा', 'विक्रम और बेताल' तथा 'अलिफ़ लैला','दादा-दादी की कहानियां','जय गंगा मैया' जैसे धारावाहिकों के माध्यम से भी उन्होंने पौराणिक और लोककथाओं को आमजन के बीच लोकप्रिय बनाया। उन्होंने 22 छोटी कहानियां, तीन वृहत लघु कहानी, दो क्रमिक कहानियां और दो नाटक लिखे। उन्होंने इन्हें अपने तखल्लुस चोपड़ा, बेदी और कश्मीरी के नाम से लिखा लेकिन बाद में वह सागर तखल्लुस के साथ हमेशा के लिए रामानंद सागर बन गए। बाद में उन्होंने अनेक फिल्मों और टेलिविजन धारावाहिकों के लिए भी पटकथाएँ लिखी। उन्हें 1960 (फिल्म फेयर पुरस्कार) (सर्वश्रेष्ठ डायलोग), फिल्म (पैगाम),-(1968)-(फिल्म फेयर पुरस्कार)-(सर्वश्रेष्ठ निर्देशक), फिल्म (आंखें) के लिए पुरस्कार/सम्मान भी प्राप्त हुए।

रामानंद सागर ने मनोरंजन को भारतीय संस्कृति, आस्था और मूल्यों से जोड़ा:-अंत में यही कहूंगा कि रामानंद सागर जी भारतीय सिनेमा और टेलीविजन के इतिहास में एक ऐसे युगद्रष्टा रचनाकार के रूप में स्मरण किए जाते हैं, जिन्होंने मनोरंजन को भारतीय संस्कृति, आस्था और मूल्यों से जोड़कर प्रस्तुत किया।देश विभाजन की पीड़ा और विस्थापन का प्रभाव उनके लेखन और सोच में आजीवन दिखाई देता है। वास्तव में, उनके उपन्यासों और कहानियों में सामाजिक यथार्थ, मानवीय संवेदनाएँ और नैतिक मूल्य प्रमुख रूप से उभरते हैं।हालांकि, सिनेमा में उन्हें सम्मान मिला, लेकिन उनका असली योगदान टेलीविजन के माध्यम से सामने आया।रामानंद सागर जी की विशेषता यह थी कि उन्होंने सीमित तकनीक, साधारण सेट और कम संसाधनों के बावजूद कथा, संवाद और भावनाओं के बल पर दर्शकों को बाँधे रखा। वे भव्यता से अधिक आत्मा और श्रद्धा पर विश्वास करते थे। रामायण' की अपार सफलता के बाद उन्होंने 'कृष्णा' धारावाहिक के माध्यम से भगवान कृष्ण के जीवन और दर्शन को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। 12 दिसंबर 2005 को उनके निधन के बाद भी उनकी रचनाएँ आज भी प्रासंगिक हैं और नई पीढ़ी को भारतीय परंपरा, इतिहास और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। उनके द्वारा रचित और निर्देशित धारावाहिक आज भी यह सिद्ध करते हैं कि सच्ची कथा और सशक्त भावनाएँ समय की सीमाओं से परे होती हैं।निष्कर्ष के तौर पर हम यहां यह कह सकते हैं कि रामानंद सागर भारतीय टेलीविजन और सिनेमा के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने मनोरंजन को केवल समय काटने का साधन नहीं रहने दिया, बल्कि उसे सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक प्रेरणा से जोड़ा।उनको इतिहास और धर्मग्रंथों का गहरा अध्ययन था। उन्होंने रामायण धारावाहिक बनाने से पहले वर्षों तक वाल्मीकि रामायण, तुलसीदास की रामचरितमानस और अन्य ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन किया। यही कारण है कि उनकी रामायण को आज भी 'सबसे प्रामाणिक' माना जाता है। वे सेट पर कलाकारों को सिर्फ संवाद नहीं, बल्कि पात्रों का आचार, व्यवहार और जीवन-दृष्टि भी समझाते थे। रोचक तथ्य यह भी है कि रामानंद सागर ने रामायण में तकनीक से ज्यादा भाव और मर्यादा को महत्व दिया।वे स्वयं को कभी स्टार निर्माता नहीं मानते थे, बल्कि 'कथावाचक' कहलाना पसंद करते थे।रामायण जैसे महाकाव्य धारावाहिक के माध्यम से उन्होंने घर-घर में भारतीय परंपरा, आदर्श जीवन मूल्यों और मर्यादा की भावना को पुनः स्थापित किया। एक और खास बात यह थी कि वे अपने काम को ईश्वर की सेवा मानते थे।

कासोली में वार्षिक सम्मेलन कोया करसाड़-2026 आयोजन समिति का हुआ गठन, शैलेश अटामी बने अध्यक्ष

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 28 दिसम्बर। जिले के ग्राम कासोली में शनिवार को वार्षिक कोया (करसाड़) सम्मेलन 2026 का आयोजन समिति का विधिवत गठन किया गया । बता दे कि कोया आदिवासी समाज द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव मनाया जाता है , इस जरिये अपने समाज में एकता, नई युवा पीढ़ी को रीति रिवाज आदि के बारे में जानकारी साझा किया जाता है जिससे युवा पीढ़ी को बदलते परिवेश में अपनी संस्कृति की सृजन हो सके तथा अपने हक अधिकार पेशा ग्राम सभा में नागरिक अधिकार युवाओं को पलायन रोकने एवं कृषि आधारित रोजगार मूलक गतिविधि अपने ही गांव में कैसे किया जाय इन आदि विषयों पर जानकारी दिया जाता है। इस वर्ष के सफ्ल आयोजन करने के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष शैलेश अटामी को बनाया गया है वही संरक्षक में चैतराम अटामी विधायक दंतेवाड़ा , सरपंच संघ जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र भास्कर व लक्ष्मीनाथ पोड़ीयाम को बनाया गया । वही कार्यक्रम के मुख्य व्यवस्था का प्रभार सुदराम भास्कर व राजेश कश्यप को दिया गया। उपाध्यक्ष मनोज कोर्राम, रिशु राम कश्यप , श्रीमती मालती इस्ताम , मासा राम लेकाम , सचिव लैस नेताम , सहसचिव चेतराम भास्कर , कोषाध्यक्ष सुदरु राम लेकाम, सह कोषाध्यक्ष रवि प्रकाश ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती शकुंतला भास्कर, श्रीमती सुमित्रा अलामी एवं विकासखंड गीदम के समस्त पदेन सरपंच, जनपद के सदस्य होंगे । बैठक में कोया समाज के जिलाध्यक्ष बल्लू भवानी , सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष सुरेश कर्मा , पूर्व जिलाध्यक्ष महादेव नेताम, बस्तरिया सर्व समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण कर्मा, सुदराम भास्कर , सचिव बुधराम नाग , रामलाल नेताम, जीला राम कोर्राम, कुम्मा राम कश्यप , जितेंद्र वटी , बलराम कश्यप , बीजू राम कश्यप , मडा राम वेक , जोगा कश्यप , सोमारु कड़ती , लखमा तामो , तुलसी मरकाम , आनंद मुड़ामी , जे आर नुरेठी , सत्यवान भास्कर , सुकड़ा तामो , मोती राम सोढ़ी सहित कई ग्राम के वरिष्ठ कनिष्ठ मौजूद रहे ।

एक नजर

ग्राम पंचायत श्यामगिरी में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर आयोजित

दंतेवाड़ा, 28 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विगत दिवस जनपद पंचायत कुआकोंडा के ग्राम पंचायत श्यामगिरी, में क्लस्टर स्तरीय सम्मिलित 9 पंचायत का सुशासन सप्ताह शिविर एवं जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर संपन्न हुआ। उक्त शिविर में 9 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, जनप्रतिनिधि, बिहान की दीदीया, ग्रामीण जन, किसान सम्मिलित हुए। शिविर के तहत कृषि विभाग द्वारा 15 किसानों को मिनी किट मूंग, मसूर, खाद वितरण, श्रम विभाग द्वारा 11 पंजीकृत श्रमिकों को श्रम कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन, कार्यक्रम किया गया। शिविर में कुल 214 आवेदन प्राप्त हुआ,जिसमें से 82 आवेदनो का शिविर में त्वरित निराकरण किया गया एवं शेष लंबित आवेदनों को संबंधित विभागों में प्रेषित कर समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए गए। इस मौके पर राजस्व विभाग, वन विभाग,पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा विभाग, मत्स्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग आदि विभागों द्वारा अपने विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई।

हर महीने की 7 तारीख को गांवों में मनाया जाएगा आवास दिवस

बीजापुर 28 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण के तहत घर बना रहे पात्र परिवारों को मदद और जागरूकता देने के लिए राज्य सरकार ने नया नियम बनाया है। ग्राम पंचायत में हर महीने की 7 तारीख को ÷आवास दिवस मनाया जाएगा। इसी दिन चावल महोत्सव और मनरेगा रोजगार दिवस भी मनाया जाता है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता चौबे ने सभी जनपदों को कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि आवास दिवस मनाने से ग्रामीण परिवारों को समय पर घर बनाने में मदद मिलेगी और योजना का लाभ तेजी से ग्रामीणों तक पहुँच सकेगा। आवास दिवस पर गांव के सभी लाभार्थियों की सूची पढ़ी जाएगी, जिनका घर स्वीकृत हुआ है या जिनका घर बन रहा है। जो लोग 90 दिनों के अंदर अपना घर बना लेते हैं, उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा। जिन हितग्राहियों की किश्त की राशि अभी तक नहीं मिल पाई है, उनकी राशि जल्द से जल्द उनके खाते में भेजने की व्यवस्था की जाएगी। मनरेगा की मजदूरी भुगतान की स्थिति पर भी चर्चा होगी। अगर घर बनाने में कोई समस्या आती है जैसे सामग्री नहीं मिलना, राजमिस्त्री न मिलना या किसी तरह की तकनीकी दिक्कत तो उसका समाधान भी इसी दिन किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर गांव में सामग्री बैंक भी बनाया जाएगा ताकि सामान आसानी से मिल सके। पंचायत प्रतिनिधियों को भी योजना के नियम और लाभ के बारे में बताया जाएगा साथ ही योजना से जुड़ी किसी भी शिकायत या जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1800-233-1290 पर हितग्राही संपर्क कर सकते है।

बीजापुर में पेंशनरों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर 29 दिसंबर को

बीजापुर 28 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) पेंशनरों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय बीजापुर में सोमवार, 29 दिसंबर 2025 को एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में पेंशनरों को एक ही स्थान पर सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप जांच, मधुमेह शुगर परीक्षण सहित आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार की सुविधाएं अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी। यह स्वास्थ्य शिविर कलेक्टर श्री संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती श्री नम्रता चौबे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी, जिला कोषालय अधिकारी श्री एमपी टंडन तथा सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर 28 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के तहत् राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं से मृतकों के परिजनों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

मसेनार,गंजेनार,श्यामगिरी के बागवानी कृषकों से कलेक्टर ने संवाद कर बताया

पीएम कृषि धन-धान्य योजना के तहत उद्यानिकी,कृषि में है असीमित लाभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 28 दिसंबर। ''जिले में उद्यानिकी फसलों के विस्तार की असीम संभावनाएं है बागवानी कृषि को उन्नत तकनीक, नये कृषि प्रयोगों के साथ अगर किया जाये तो यह कृषकों के नियमित आय का प्रमुख साधन बन सकता है। जिले के उद्यानिकी कृषकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा बेहतर अवसर उपलब्ध कराये जा रहे है। अत इस संबंध में इच्छुक कृषकों को प्रशासन द्वारा हरसंभव मदद मुहैया करायी जायेगी।'' आज जिले के ग्राम मसेनार, गंजेनार, श्यामगिरी, हितावर एवं मैलावाड़ा ग्रामों के कृषकों से संवाद करते हुए कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने उक्त आशय के विचार व्यक्त किये। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने हेतु संचालित नवाचारों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दौरे के प्रथम चरण में कलेक्टर ने मसेनार एवं श्यामगिरी ग्राम में विकसित किए जा रहे ऑयल पाम (तेल ताड़) रोपण का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से प्रत्यक्ष संवाद कर रोपण की तकनीक, सिंचाई व्यवस्था, पौधों की वृद्धि तथा भविष्य में होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी ली। यह पर हितग्राही कृषक श्री भीमा द्वारा 5 एकड़ में 286 ऑयल पाम के पौधे लगाए गए है। कलेक्टर ने भीमा को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऑयल पाम जैसी दीर्घकालिक एवं लाभकारी फसलें किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस क्रम में श्यामगिरी के कृषक श्री अनिल कोरम द्वारा 15 एकड़ में ऑयल पाम रोपण को भी कलेक्टर ने देखा। उन्होंने कृषकों समझाइश देते हुए कहा कि ऑयल पाम रोपण के बीच वे अपने इच्छा अनुसार अन्य फसल लगाकर दोहरा लाभ ले सकते है। साथ ही उन्होंने कृषकों से कहा कि सिंचाई के दृष्टि से कुआं और डबरी निर्माण को प्राथमिकता देवें।

इसके पश्चात कलेक्टर गंजेनार पहुंचे, जहां उन्होंने आम एवं नारियल रोपणी का निरीक्षण किया। ज्ञातव्य है कि यह हुंगा, बच्चू, सुकमन,मोटू,लक्ष्मण,सुधरू, बुधरू,राजू सहित अन्य कृषकों द्वारा 5 एकड़ उन्नत किस्म के आम,नारियल का रोपण किया गया है। कलेक्टर ने यह उक्त कृषकों से बागवानी फसलों के संरक्षण, पौधों के रखरखाव, कीट नियंत्रण एवं विपणन की संभावनाओं पर चर्चा की तथा किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह पर भी कृषकों ने कलेक्टर के समक्ष बिजली सहित अन्य मांगों से कलेक्टर को अवगत कराया। जिसका कलेक्टर ने त्वरित प्रकरण बनाकर निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस क्रम में कलेक्टर ने हितावार ग्राम कि महिला पशुपालक सरोजिनी बघेल के डयरी फार्म का अवलोकन कर पशुपालन गतिविधियों की स्थिति जानी। यह उन्होंने उक्त पशुपालन से दुग्ध उत्पादन, पशुओं के स्वास्थ्य, चारा प्रबंधन एवं डेयरी से होने वाली आय की जानकारी ली। इस दौरान महिला ने कलेक्टर को अवगत कराया कि उसके पास वर्तमान में 14 गौ वंशीय पशु है जिससे उसे लगभग 50 लीटर दुग्ध उत्पादन होता है। इसके अलावा विभाग नस्ल सुधार योजना के तहत उसे लाभान्वित भी किया गया है। इस दौरान पशुपालक ने विगत दिवस मृत गौ वंशीय पशु के मुआवजे तथा व्यवस्थित पक्के पशु शेड की मांग कलेक्टर के समक्ष रखी। इस संबंध में कलेक्टर ने अधिकारियों को तत्काल प्रकरण बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। दौरे के अंतिम चरण में कलेक्टर मैलावाड़ा पहुंचे, यहां उन्होंने मत्स्य पालन कर आय का नया जरिया पाने वाले जयराम कश्यप के मत्स्य तालाब का अवलोकन किया। उक्त कृषक ने कलेक्टर को बताया कि 2023 से मत्स्य पालन कर रहा है। जिसमें अच्छी आमदनी होती है उसके तालाब में मुख्यतः फगास किस्म की मछली का उत्पादन हो रहा है। इसके अलावा 3 एकड़ से अधिक की भूमि उद्यानिकी विभाग के सहयोग से बागवानी किस्म के पौधरोपण किया है। इस दौरान कलेक्टर ने उक्त कृषक की हौसला अफ्जाई की। और उन्होंने तालाबों की स्थिति, मछली उत्पादन एवं इस पर आजीविका के अवसरों को मत्स्य पालन को रोजगार का सशक्त माध्यम बताया। इस दौरान उद्यानिकी, पशुधन, मत्स्य विभाग, जनपद सीईओ सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किरंदुल स्थित उद्यानिकी नर्सरी का किया अवलोकन

दंतेवाड़ा, 28 दिसंबर। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव द्वारा नर्सरी किरंदुल का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध पौधों, उनके रख-रखाव, उत्पादन क्षमता एवं अब तक की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए कहा कि नर्सरी को आय सृजन केन्द्र का प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है। इसके साथ ही यहां अधिक संख्या में ग्राफ्टेड (कलमी) पौधों का उत्पादन बढ़ाया जाए, ताकि कृषकों को गुणवत्तापूर्ण पौधे उपलब्ध कराए जा सकें। कलेक्टर ने यह वे कहा कि नर्सरी के खाली बचे स्थानों में पशु चारें के रूप नेपियर घास लगाये जाए ताकि जरूरतमंद पशुपालकों को नर्सरी के माध्यम से पषु चारा दिया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने फलदार एवं व्यावसायिक पौधों की नर्सरी विकसित करने, स्थानीय जलवायु के अनुकूल प्रजातियों के चयन तथा पौधों की वैज्ञानिक पद्धति से देखरेख करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यहा उद्यानिकी विभाग के तत्वाधान में माली का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से रूबरू हुए और उन्हें समझाइश देते हुए कहा कि वे पूर्ण प्रशिक्षित होकर अपने घरों बाड़ियों में अपने सीखे हुए ज्ञान को प्रयोग अवश्य करे ताकि उनका व्यावहारिक अनुभव बढ़े। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नर्सरी से होने वाली आय से विभागीय गतिविधियों को और सशक्त किया जा सकता है, साथ ही इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने अधिकारियों को नर्सरी प्रबंधन में नवाचार अपनाने, मांग के अनुसार पौधों का उत्पादन करने एवं किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए। इस दौरान जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कृषि एवं उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

ब्लॉकचेन आधारित भूमि अभिलेख पहल को मिला प्रथम स्थान

दंतेवाड़ा, 28 दिसंबर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिले में लागू की गई ÷ब्लॉकचेन'' आधारित भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण÷ पहल ने सुशासन और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभिनव पहल को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। इस पहल के अंतर्गत पारंपरिक मैनुअल एवं कागजी प्रक्रियाओं को समाप्त करते हुए ''ब्लॉकचेन'' आधारित छेड़छाड़-रोधी डिजिटल प्रणाली लागू की गई। इसके माध्यम से भूमि अभिलेखों की सुरक्षा, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है। जहां पहले भूमि संबंधी दस्तावेज प्राप्त करने में कई सप्ताह लग जाते थे, वहीं अब यह प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो रही है। ''ब्लॉकचेन'' तकनीक के उपयोग से दस्तावेजी धोखाधड़ी की संभावनाएं पूरी तरह समाप्त हो गई हैं तथा राजस्व सेवाओं के त्वरित और प्रभावी प्रदाय में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विशेष रूप से आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में इस पहल ने आम नागरिकों को सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद सेवाएं उपलब्ध कराकर राजस्व प्रशासन के लिए एक नया मानक स्थापित किया है।

ज्ञात हो कि राज्य शासन की मंशा अनुसार आमजनों की सुविधा के दृष्टि से सभी विभागों को ई-गवर्नेंस प्रणाली के तहत बहुउद्देश्यीय बनाने के लिए विशेष जोर दिया जा रहा है। इस क्रम जिले में भी भू-दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया हेतु विशेष पहल की जा रही है। पूर्व समय में लोगों को अपने भू-अभिलेख की प्रतियां जैसे स्वामित्व अभिलेख, पंजीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्र, बी-1, फॉर्म ए, प्लॉट रजिस्टर, फॉर्म सी (अधिकारों का अभिलेख), संशोधन, नामांकन, मानचित्र अभिलेख, मानचित्र स्वामित्व अभिलेख, मानचित्र स्केच, मानचित्र पूर्णता प्रमाणपत्र, मानचित्र पुनः क्रमांक दस्तावेज, मानचित्र स्वामित्व प्रमाणपत्र, मानचित्र अंतिम सत्यापन दस्तावेज आदि प्राप्त करने में बहुत सारा वक्त, संसाधन, और ऊर्जा खपानी पड़ती थी।

उन्नत पशुपालन से बदली तिलेश्वर पांडे की तकदीर

दंतेवाड़ा, 28 दिसंबर। गीदम निवासी पशुपालक श्री तिलेश्वर पाण्डे पिछले पाँच वर्षों से पशुपालन के क्षेत्र से जुड़े हुये है। प्रारंभ में उनके पास केवल देशी नस्ल की कुछ ही गायें थीं, जिनसे सीमित मात्रा में दुग्ध उत्पादन हो पाता था। पशुपालन व्यवसाय को आधुनिक रूप देने तथा आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने की प्रबल इच्छा के चलते उन्होंने पशुधन विकास विभाग से संपर्क किया जहाँ से उन्हें कृत्रिम गर्भाधान एवं नस्ल सुधार की वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त हुई। इस प्रकार विभागीय मार्गदर्शन में श्री पाण्डे ने अपनी देशी गायों में कृत्रिम गर्भाधान करवाया। जिसके परिणामस्वरूप देषी नस्ल के गायों से उच्च नस्ल की बछियाओं का जन्म हुआ। कुल मिलाकर इन संकर नस्ल की बछियाओं के वयस्क होने पर उनका दुग्ध व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। धीरे-धीरे उनका डेयरी व्यवसाय एक संगठित और लाभकारी स्वरूप लेने लगा।

वे मानते है कि पषु नस्ल सुधार से बढ़े दुग्ध उत्पादन ने उनकी आमदनी के नए रास्ते खोले। इस प्रकार उन्होंने विभाग के सहयोग और प्राप्त आर्थिक लाभ से उन्होंने नई नस्ल की गायें भी खरीदीं। वर्तमान में उनके पास बछिया सहित लगभग 12 गायें हैं। आज उनकी डेयरी में प्रतिदिन लगभग 40 से 50 लीटर दुग्ध का उत्पादन हो रहा है, जिससे उन्हें प्रतिमाह करीब 30,000 से 40,000 रुपये की आय प्राप्त हो रही है। आज श्री तिलेश्वर पाण्डे की आर्थिक स्थिति में स्पष्ट सुधार हुआ है और वे आत्मनिर्भर बन चुके हैं। वे अपनी डेयरी की सभी गायों में नियमित रूप से कृत्रिम गर्भाधान करवा रहे हैं। अपनी सफ्लता से प्रेरित होकर वे अन्य पशुपालकों से भी अपील करते हैं कि पशुधन विकास विभाग के संपर्क में रहकर कृत्रिम गर्भाधान जैसी वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाएं और पशुपालन को लाभ का व्यवसाय बनाएं। श्री पाण्डे की यह यात्रा साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, वैज्ञानिक सोच और निरंतर प्रयास से ग्रामीण क्षेत्र में भी समृद्धि की नई कहानी लिखी जा सकती है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत आत्मसमर्पित युवाओं को मिल रही जीवन की नई दिशा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 28 दिसंबर। पीएचई विभाग द्वारा दी गई जानकारी अनुसारं भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामों में जल जीवन मिशन योजना के संचालन के लिए नल जल वितरण संचालक चयनित किए जायेगें। इस क्रम में इन चयनित व्यक्तियों युवाओं को लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में नल जल वितरण संचालक का कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कौशल प्रशिक्षण उपरांत कॉलेज द्वारा टूलकिट प्रदान कर पंचायत द्वारा नियुक्ति प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन के माध्यम से इस कौशल प्रशिक्षण में वर्तमान में आत्मसमर्पित नक्सली युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाये जाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि वे जीवन को नए सपनों से संजोकर आगे बढ़े। इस अंतर्गत इन युवाओं को कौशल नल जल वितरण संचालक के रूप में उनकी इच्छा अनुसार अपने-अपने निवास ग्रामों में सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनरुद्धार के उद्देश्य से लाइवलीहुड कॉलेज में आवासीय प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न ट्रेडों जैसे नल जल वितरण संचालक, सोलर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर एवं अन्य ट्रेड में प्रशिक्षित किया जा रहा है। चुंकि आत्मसमर्पित युवाओं ने हिंसा का रास्ता छोड़ साधारण जीवन जीने हेतु प्रशासन का हाथ थाम कर एक नई दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। अतः प्रशासन द्वारा भी इन युवाओं पुनर्स्थापन के लिए रोजगार के नये अवसर तलाशे जा रहे है। उन्हें नल जल वितरण संचालक का कौशल प्रशिक्षण दिया जाना भी इसी का सार्थक प्रयास है।

जैविक कृषि ग्राम झोड़ियाबाड़म,बिंजाम,समलूर एवं कतुलनार का कलेक्टर ने किया दौरा

दंतेवाड़ा, 2८ दिसंबर। प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजनान्तर्गत चयनित जिला दंतेवाड़ा में समग्र कृषि विकास को नई दिशा देने तथा कृषि के अलावा उद्यानिकी,मत्स्य,पशुपालन विभागों की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और एकरूपता लाने के मद्देनजर कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने आज जैविक कृषि ग्राम झोड़ियाबाड़म में स्थित भूमगादी जैविक कृषक उत्पादक कंपनी मर्यादित का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिलेट्स प्रसंस्करण मशीन, धान एवं पोहा प्रसंस्करण इकाई सहित अन्य स्थापित मशीनों की कार्यप्रणाली, क्षमता एवं वर्तमान उत्पादन की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं कंपनी प्रबंधन से कच्चे माल की उपलब्धता, उत्पादों की गुणवत्ता, भंडारण व्यवस्था तथा विपणन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर श्री ध्रुव ने जैविक उत्पादों के बाजार मूल्य संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मिलेट्स एवं धान आधारित उत्पादों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग को और बेहतर बनाया जाए, ताकि स्थानीय किसानों को अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने एफपीओ के माध्यम से किसानों की आय वृद्धि, रोजगार सृजन एवं स्थानीय संसाधनों के अधिकतम उपयोग को जिले के लिए महत्वपूर्ण बताया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मशीनों के नियमित संचालन, समय पर मेंटेनेंस एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पातरराास स्थित एकता परिसर के सतनाम भवन में

हल्बा समाज ने धूमधाम के साथ मनाया शक्ति दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 28 दिसंबर। एकता परिसर पातरराास के सतनाम भवन में 26 दिसंबर 2025 को अखिल भारतीय हल्बा हल्बी समाज जिला दंतेवाड़ा द्वारा सामाजिक एकता का पर्व शक्ति दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर समाज के सदस्यों द्वारा एक शोभायात्रा निकाल मां दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर माईजी की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात ज्योति कलश प्रज्जवलित कर कलश यात्रा के रूप में माता एवं समाज के जयकारे लगाते यह यात्रा मंदिर से बस स्टेंड, स्टेटबैंक चौक होते हुए एकता परिसर स्थित सतनाम भवन पहुंची जहां समाज प्रमुखों द्वारा साकाजिक ध्वजारोहण किया गया। जिसके उपरांत मां दंतेश्वरी देवी व शहीद गैंदसिंह जी नायक के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित की गई। जिसके उपरांत कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम में समाज प्रमुखों ने सामाजिक विषयों पर अपने अपने राय विचार रखकर इस पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गो ने बढ़चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग नृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुति दी साथ ही विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन भी हुआ। विजेता बच्चों को समाज प्रमुखों द्वारा ईनाम भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में हल्बारास, दंतेवाड़ा, गीदम व कटेकल्याण के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए थे। शक्ति पर्व को सफल बनाने में समाज के सभी सदस्यों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया जिसके फलस्वरूप ही कार्यक्रम को सफल बनाया जा सका। उक्त अवसर पर हल्बा समाज द्वारा एक पुस्तक स्मारिका समाज भी सभी सदस्यों को वितरित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हल्बा समाज के जिला अध्यक्ष धीरज राणा, उपाध्यक्ष गणेश मानकर, सचिव राम मिलन रावते, मंगल बघेल, के.आर.पिस्दा, रामचरण राणा, नवल राणा, नवल सिंह नाग, रत्तू राणा, मिश्रीलाल नायक, शोभित चंदेल, मोहन समरथ, भूषण राणा, रेमन खरे समेत समाज के कई अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

दो दिवसीय पंथी प्रतियोगिता का समापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 28 दिसम्बर। ग्राम अंवरी में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय पंथी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें समापन समारोह के मुख्य अतिथि तारणी नीलम चन्द्रकार अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी, अध्यक्षता सरपंच हितेन्द्र नाथ मंडल, विशेष अतिथि मनोज बंजारे, उपाध्यक्ष छ. ग. भीम आर्मी, संजय सारंग, सेवक राम तारक, लोमस पाल, कुजं बीहारी पाल, मुलचंद चंदेल, ललित कुमार नगारची, गैद लाल पटेला, उदय चरण बंजारे, परस राम निर्मलकर, कुलजंन

ठाकुर, के उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तारणी ने अपने उदबोधन में कहा कि घासीदास ने सब को सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया और मनखे मनखे एक समान का नारा देकर समाज में फैलि कुरुतियो को दुर किया। हम सब उसके बताये हुए रास्ता पर चलाना चाहिए। मनोज बंजारे ने अपने उदबोधन में कहा कि बाबा गुरु घासीदास ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे एक महान संत समाज सुधारक और शिक्षा विद थे जिन्हें अपने जीवन काल में गरिबों दलीतो और वंचित वर्गो उत्थान के लिए काम किया था। रामस्वरूप साहू ने अपने उदबोधन में कहा कि बाबा घासीदास दास सतनामी समाज के गुरु के साथ छत्तीसगढ़ सभी समाज के एक मार्ग दरशक थे। सभी को एक साथ जोड़ने का काम किया और छुआछूत को दुर किया। कार्य क्रम को लुप्त उठाने बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

विधायक योगेश्वर सिन्हा की पहल पर जिले के किसानों को राहत

■ 5 जनवरी से 13 गांवों के लिए कोडार जलाशय से छोड़ा जाएगा पानी

महासमुंद, 27 दिसंबर। महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा की पहल पर एवं किसानों की मांग और आवश्यकताओं को देखते हुए कोडार जलाशय से रबी फसल के लिए खेतों में पानी देने पर निर्णय लिया गया। विधायक सिन्हा ने कहा कि किसानों की मांग के मद्देनजर किसानों को पानी देना आवश्यक है। अतः 5 जनवरी से ही खेतों में पानी दिया जाए। इसके लिए जिले के कोडार जलाशय परियोजना (बायीं तट नहर प्रणाली से) वृहद परियोजना अंतर्गत पानी दिया जाएगा। इसके लिए कोटवार के माध्यम से मुनादी करके किसानों तक जानकारी पहुंचाई जाए। अंतिम छोर तक पानी पहुंचे इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए।

कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल उपयोगिता समिति विनय कुमार लंगेह ने कहा कि समय-समय पर किसानों द्वारा रबी फसल के लिए पानी की मांग के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए एवं समिति द्वारा सर्वसम्मति से आगामी 5 जनवरी से पानी छोड़ने का निर्णय लिया गया है। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि किसानों की मांग और जलभराव के आधार पर रबी फसल सिंचाई हेतु किसानों को जल प्रदाय किया जाए। उन्होंने कहा कि नहर में जल प्रवाह के दौरान किसी तरह नहर के तटों को काटकर पानी के उपयोग पर पाबंदी लगाया जाए। यदि कोई तट काटकर पानी ले जाने की कोशिश करते है तो उन पर भी कार्यवाही की जाए। कोशिश हो कि अंतिम छोर तक पानी खेतों तक पहुंचे।

जल संसाधन के मुख्य कार्यपालन अभियंता अजय कुमार खरे ने बताया कि रबी सिंचाई के लिए कोडार वृहद परियोजना में बांयी तट नहर प्रणाली से 13 गांवों के 1600 हेक्टेयर क्षेत्र का रकबा सिंचाई सुविधा के लिए प्रस्तावित किया गया है। इन गांवों में बंजारी, घोंघीबाहरा, बनसिवनी, कौंदकेरा, सोरिद, चोरभट्ठी, नयापारा, परसदा, बेमचा, मुस्की, कांपा, खरोरा एवं बरोंडाबाजार शामिल हैं।

डिस्ट्रिक्ट मीडिया क्लब धमतरी के सदस्यों ने पंड़ित आचार्य अतुल कृष्ण महाराज से प्राप्त किया आशीर्वाद

धमतरी, 27 दिसंबर। नगर के रामलीला गौशाला मैदान में 23 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आयोजित भव्य श्रीराम कथा के दौरान शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट मीडिया क्लब धमतरी के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने कथा स्थल पर पहुंचकर सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित आचार्य अतुल कृष्ण महाराज से विधिवत आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ लिया तथा आयोजन की सराहना की। पं. आचार्य अतुल कृष्ण महाराज ने मीडिया क्लब के सदस्यों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं। सत्य, संयम और सकारात्मक सोच के साथ की गई पत्रकारिता समाज में संस्कारों और सद्भावना को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, कर्तव्य और मर्यादा का प्रतीक है, जिसे जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया क्लब की ओर से उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों में प्रेम मगेंद्र, आशीष मिन्नी, संजय छाजेड़, नरेश राखेचा, राजेश रायचुरा, डॉ. भूपेंद्र साहू, दीपेश देवांगन एवं आशीष बंगानी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी सदस्यों ने व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त कर समाजहित में सकारात्मक पत्रकारिता के संकल्प को दोहराया।

एक नजर

तिफरा में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

बिलासपुर 27 दिसंबर। तिफरा में विशाल हिन्दू सम्मेलन का 25 दिसंबर को दोपहर 12.00 बजे से आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता रा.स्व.से. संघ के प्रांत प्रचारक, अभय राम, संस्कृत भारती के प्रांत संपर्क प्रमुख, दामोदर सोनी एवं मातृशक्ति श्रीमती संगीता शर्मा जी का उद्बोधन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती महक आहूजा द्वारा किया गया। संघ एवं तिफरा बस्ती के लगभग 225 हिन्दू सम्मेलन में उपस्थित हुए जिसमें मुख्य रूप से राजकुमार सचदेव, गोवर्धन देवांगन , छत्रपति , प्रदीप शर्मा रामनारायण साहू सुनील राय सुधाकर सारस्वत एवं अन्य शामिल थे। कार्यक्रम में श्रीमती किरण राठौर, कु.प्रतिमा मिश्रा एवं अन्य अनेक बच्चों ने नृत्य, एकल गीत, युगल गीत, ताइक्कांडो इत्यादि प्रस्तुत किए आयोजन में संजीव साहू, मनोज जायसवाल, मदन चौरे एवं परदेशी लाल प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।संयोजक सुनील राय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन पश्चात भोजन प्रसाद सहित, नेत्र चिकित्सक, डॉ. निकिता जायसवाल एवं उनके सहयोगियों ने 65 लोगों का नेत्र परीक्षण कर नि:शुल्क दावा वितरण किया।

चयनित अभ्यर्थियों को ट्राईबल यूथ हॉस्टल नई दिल्ली में रहकर पढ़ने का मिलेगा मौका

धमतरी, 28 दिसंबर। राजीव युवा उत्थान योजना अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी हेतु 28 दिसंबर को प्राक्कयन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए रायपुर में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय गुढ़ियारी रायपुर,में 386 अभ्यर्थी जबकि प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सडडू, में 701अभ्यर्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने संबंधी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस प्रकार प्राक्कयन परीक्षा में कुल 1087 अभ्यर्थियों के सम्मिलित होने की संभावना है। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा दोपहर 12.00 से 2:00 तक आयोजित होगी। परीक्षा संबंधी अधिक जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट 222.ह्लह्म्द्बड्डद्य.ष्द.द्द्श1.द्बठ्ठ तथा द्धह्लह्लश्चह्य://द्बद्धह्यह्लह्म्द्बड्डद्य.ष्द.द्दद्ग्ष.द्बठ्ठ का अवलोकन कर परीक्षा केंद्र, रोल नंबर की जानकारी एवं फोटोयुक्त प्रवेश पत्र डाउनलोड किये जा सकते हैं। गौरतलब है कि ट्रायबल यूथ हॉस्टल राज्य के वंचित वर्गो के बच्चों को सिविल सर्विसेस सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वर्ष 2013-14 से शुरू किया गया था।

व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति गठन करना अनिवार्य

रायगढ़, 28 दिसंबर। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैगिंक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन के संबंध में तथा महिलाओं के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए जिला प्रशासन सजग है। ऐसे सभी विभाग, संगठन, उपक्रम, प्रतिष्ठान, उद्यम, संस्थान, कार्यालय, शाखा अथवा इकाई जो प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सरकार, स्थानीय प्राधिकरण, सरकारी कम्पनी, निगम, सहकारी सोसाइटी द्वारा प्रदत्त निधियों द्वारा स्थापित, स्वामित्वाधीन, नियंत्रणाधीन अथवा वित्त पोषित हो। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि निजी क्षेत्र का संगठन, उपक्रम, उद्यम संस्थान, प्रतिष्ठान, सोसाईटी, न्यास, गैर-शासकीय संगठन, इकाई अथवा सेवा प्रदाता जो वाणिज्यिक, व्यावसायिक, शैक्षिक, मनोजरंजन, औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाएं अथवा वित्तीय क्रियाकलाप कर रहा हो, जिसमें उत्पादन, आपूर्ति, विक्रय, वितरण, अस्पताल अथवा नर्सिंग होम, खेलकूद का संस्थान, स्टेडियम, खेल परिसर, प्रतियोगिता अथवा खेल का स्थान आदि निजी क्षेत्र जहां 10 या 10 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत है वहां अधिनियम के धारा 04 के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है।

तमनार के लिबरा चौक में प्रशासन व पुलिस पर फूटा जनाक्रोश

भीड़ ने महिला टीआई के साथ ही एसडीओपी पर भी किया हमला

■ कलेक्टर, एसपी व विधायक की वाहनों पर भी हुआ पथराव, भीड़ ने पुलिस गाड़ी, एंबुलेंस व एसडीएम की वाहन को किया आग के हवाले

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 28 दिसम्बर। जिले में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। महिलाओं ने तमनार थाना की थाना प्रभारी कमला पुषाम को लात मारी। हमले में टीआई घायल हो गईं। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गईं। वहीं एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुछ घायलों को स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जबकि कुछ को रायगढ़ रेफर किया गया। हमले के बाद हालात इतने बिगड़े कि पुलिस की गाडियां और एम्बुलेंस तक जला दी गईं। प्रदर्शनकारी अभी भी मौके पर मौजूद हैं।

रायगढ़ कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि 15 दिनों से सभी ग्रामीण धरना स्थल पर शांति पूर्वक बैठे थे। इसी बीच दोपहर ढाई बजे के आसपास कुछ लोगों ने प्रदर्शनकारियों को भडक़ा दिया। इसके बाद लोगों ने पथराव कर दिया। पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी अपनी जान बचाकर मौके से भागे। इसके बाद जिला प्रशासन और पुलिस की टीम दोबारा ग्रामीणों से बातचीत करने के लिए गई, लेकिन भीड़ उग्र थी। भीड़ ने फिर से पथराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने की कोशिश हो रही है। घायलों का इलाज रायगढ़ में चल रहा है। दरअसल, मामला 8 दिसंबर 2025 को धौराभाठा में हुई जनसुनवाई के विरोध से जुड़ा है। जेपीएल कोयला खदान सेक्टर-1 कोल ब्लॉक से प्रभावित 14 गांवों के लोग 12 दिसंबर से धरने पर बैठे हुए हैं।

सुबह करीब 9 बजे लिबरा चौक पर लगभग 300 ग्रामीण जमा हो गए। सडक़ पर बैठकर आने-जाने का रास्ता रोक दिया। स्थिति बिगड़ती देख सुबह करीब 10 बजे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाया। धरना स्थल पर लगे टेंट में वापस भेज दिया। कुछ समय के लिए माहौल शांत हुआ, लेकिन तनाव बना रहा।

जिंदल के कोल हैंडलिंग प्लांट में घुसकर लगाई आग: जिला प्रशासन के मुताबिक उग्र भीड़ ने मौके पर खड़ी पुलिस बस, जीप और एम्बुलेंस में आग लगा दी। कई अन्य सरकारी वाहनों को भी नुकसान हुआ है।

भीड़ में शामिल लोगों की संख्या करीब 1000 के आसपास थी

जिला प्रशासन के मुताबिक आसपास के गांवों से और लोग मौके पर पहुंचने लगे। दोपहर तक भीड़ की संख्या करीब 1000 के आसपास हो गई। घरघोड़ा के एसडीएम और पुलिस अधिकारी लगातार माइक से लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते रहे, लेकिन भीड़ बार-बार सडक़ पर आकर रास्ता रोकने की कोशिश करती रही। करीब दोपहर ढाई बजे अचानक हालात बिगड़ गए। भीड़ ने पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए। पत्थर और डंडों से हमला कर दिया। पुलिस पर जमकर लाठियां और पत्थर बरसाए गए। कई पुलिसकर्मी और महिला आरक्षक भी घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

जिला अस्पताल में मरीजों के परिजनों ने डॉक्टरों के साथ की मारपीट, जुर्म दर्ज

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, 28 दिसंबर। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला अस्पताल में शुक्रवार रात एक सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों के परिजनों और उनके साथ आए लोगों ने जिला अस्पताल में हंगामा करने और नारेबाजी करने के बाद अस्पताल स्टॉफ और सुरक्षा कर्मियों के साथ जमकर मारपीट की। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार मरवाही के भर्रीडाँड़ निवासी दुर्गेश रजक, ईश्वर और विवेक को सड़क दुर्घटना के बाद जिला अस्पताल लाया गया था। दुर्गेश रजक की मौत हो चुकी थी, जबकि अन्य दो मरीज शराब के नशे में थे। उनके साथ आए अटेंडर सुनील रजक, मनीष रजक, संतोष रजक और प्रमोद रजक भी शराब के नशे में थे और बार-बार महिला डॉक्टरों से मरीज का हाल

जानने के लिए दबाव बना रहे थे। इस दौरान अस्पताल में लगभग 90 अन्य मरीज मौजूद थे। महिला डॉक्टरों ने बताया कि मरीजों की स्थिति स्थिर थी, लेकिन उनके परिजनों और साथ आए लोगों ने बदतमीजी शुरू कर दी। भयभीत होकर महिला डॉक्टरों ने काम करने से इनकार कर दिया और आरोपियों के खिलाफगौरेला थाना में कार्रवाई की मांग की। सिविल सर्जन देवेंद्र पैकरा ने बताया कि डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ के साथ मारपीट और बदतमीजी की गई, जिसके कारण सभी डॉक्टर और पीड़ित सुरक्षा कर्मी सीधे थाना पहुंचे और आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

राज्य स्तरीय युवा उत्सव में संगवारी टीम की परब नृत्य की प्रस्तुति को लोगों ने खूब सराहा

धमतरी, 27 दिसंबर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राज्य खेल प्रशिक्षण संस्थान, बहतराई, रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। इस प्रतिष्ठित आयोजन में धमतरी जिले की संगवारी टीम ने लोकनृत्य विधा में छत्तीसगढ़ की आदिवासी सांस्कृतिक विरासत का सशक्त प्रदर्शन करते हुए परब नृत्य की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी तथा तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। परब नृत्य बस्तर अंचल की धुरवा जनजाति की पारंपरिक लोकनृत्य परंपरा से जुड़ा है, जिसे फसल कटाई के उपरांत मां मंगला देवी (मां अन्नपूर्णा) के प्रति

कृतज्ञता स्वरूप किया जाता है। नृत्य का शुभारंभ हाथों में कलश, मंगला देवी के प्रतीक, हुमाही में अग्नि, आरती की थाली एवं खड़ग के साथ पारंपरिक विधि से किया गया। प्रस्तुति में संकेत कुमार साहू, विकास नेताम, वासुदेव साहू, संदीप, लोचन, विभा, भूमिका, माधुरी, क्षमता एवं टिकेश्वरी ने सजीव भाव-भंगिमाओं और सधे हुए ताल-लय के साथ प्रभावशाली नृत्य प्रस्तुत किया। संगीत संगत की महत्वपूर्ण भूमिका वेदप्रकाश सिन्हा, दीपक साहू एवं खोमेश्वरी साहू ने निभाई। नृत्य में पुरुष कलाकारों ने लहंगानुमा धोती, जैकेट, क्रॉस पट्टा, सुता, कड़ा, तोड़ा, मथौड़ी एवं कलगी धारण की, जबकि महिला कलाकार लपेटा लुगरा, करधन, छांटी, ऐंठी, पहुंची, रुपया माला, खिनवा, फुली एवं मथौड़ी से सुसज्जित रहीं।

महिला एवं बाल विकास ने ग्राम तेलीनसत्ती में मनाया वीर बाल दिवस

साहिबज़ादों का बलिदान बच्चों को साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की देता है प्रेरणा : रंजना

■ मुख्य अतिथि रंजना साहू सहित सभी ने साहिबज़ादों के बलिदान को किया नमन

धमतरी, 28 दिसंबर। एकीकृत बाल विकास परियोजना, धमतरी ग्रामीण महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला धमतरी द्वारा ग्राम तेलीनसत्ती स्थित सिन्हा कलार समाज भवन में वीर बाल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के इतिहास में अद्वितीय साहस और बलिदान की मिसाल पेश करने वाले गुरु गोविंद सिंह जी के वीर सपूतों साहिबज़ादे जोरावर सिंह जी एवं साहिबज़ादे फतेह सिंह जी की अमर शहादत को स्मरण करना रहा।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती

रंजना डीपेंद्र साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं साहिबज़ादों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। साहिबज़ादों की शहादत को नमन करते हुए अपने उद्बोधन में श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि साहिबज़ादे जोरावर सिंह जी एवं साहिबज़ादे फतेह सिंह जी की शहादत केवल सिक्ख इतिहास ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए प्रेरणा का स्रोत है, इतनी कम उम्र में भी उन्होंने अत्याचार और अन्याय के सामने झुकने के बजाय सत्य और धर्म का मार्ग चुना, साहिबज़ादों का बलिदान हमें यह सिखाता है कि धर्म, संस्कृति और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए साहस और दृढ़ संकल्प सबसे बड़ा हथियार होता है, उनका जीवन आज के बच्चों और युवाओं को सच्चाई, निडरता और देशभक्ति के संस्कार देता है।

श्रीमती साहू ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं है, बल्कि यह हमारे बच्चों के चरित्र निर्माण का अवसर है। हमें अपने बच्चों को वीरता, नैतिकता और देश के प्रति समर्पण की कहानियाँ बतानी चाहिए, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें।उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए इस कार्यक्रम आयोजित करने की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों में देशभक्ति की भावना और अपने इतिहास के प्रति गर्व उत्पन्न होता है। कार्यक्रम में रांवा मण्डल महामंत्री श्री राकेश सिन्हा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज के वरिष्ठजन, महिलाएँ एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। बच्चों द्वारा देशभक्ति से जुड़े गीत पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए?। कार्यक्रम का समापन साहिबज़ादों की शहादत को नमन करते हुए इस संकल्प के साथ किया गया कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाया जाएगा।

वीर साहिबजादों के बलिदान को किया गया नमन, प्रतिभावान बच्चे सम्मानित

रायगढ़, 28 दिसंबर। धर्म एवं संस्कृति की रक्षा हेतु अपने सर्वोच्च बलिदान देने वाले गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को नमन करते हुए आज जिला रायगढ़ में वीर बाल दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में बाल देखरेख संस्थानों में आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष 26 दिसम्बर को पूरे देश में वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो ने कहा कि ÷वाहे गुरु जी की खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह÷ के उद्घोष के साथ वीर साहिबजादों और दशम पिता गुरु गोबिंद सिंह जी का स्मरण करते हुए मन शोक और गर्व दोनों से भर जाता है। जिन बालकों ने जीवन को पूरी तरह देखा भी नहीं था, उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए, लेकिन कभी अपने सिद्धांतों से विचलित नहीं हुए। उनका बलिदान आज भी समाज को सत्य, साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वीर बाल दिवस के अवसर पर सभी बाल देखरेख संस्थानों में पेंटिंग, पोस्टर निर्माण, कहानी लेखन, बुक रीडिंग क्विज, भाषण, वाद-विवाद एवं निबंध लेखन जैसी विविध रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर समस्त वीर शहीदों को हृदय से नमन करते हुए उनके अदम्य साहस की सराहना की तथा बच्चों को सत्य, धर्म और सद्भावनापूर्ण जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। बाल विवाह मुक्त रायगढ़ बनाने के संकल्प के तहत बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। साथ ही नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सभी उपस्थितजनों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

एक नजर

किसानों के दस्तावेज जब्त, 400 बोरी धान बरामद

रायपुर, 28 दिसंबर। बलरामपुर जिले में किसानों के बैंक पासबुक, चेकबुक व ऋण पुस्तिका व अन्य दस्तावेजों के दुरुपयोग और धान के अवैध परिवहन का मामला पकड़ में आया है। राजस्व और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ग्राम कुर्लडीह निवासी श्याम सुंदर गुप्ता को धान के अवैध कारोबार और किसानों से छल-कपट के आरोप में पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध थाना सनावल में आवश्यक वस्तु अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, गुरुवार रात करीब 8 बजे संयुक्त टीम ने धान से भरे एक पिकअप वाहन को पीछा कर रोका। पूछताछ में पता चला कि धान को कुर्लडीह निवासी श्याम सुंदर गुप्ता के घर उतारा जाना था। इसके बाद टीम ने आरोपी के घर दबिश दी, जहां करीब 400 बोरी धान बरामद की गई। तलाशी के दौरान आरोपी के घर से किसानों की बड़ी संख्या में बैंक पासबुक, किसान किताब (भाग-1 व भाग-2), केसीसी पासबुक, जिला सहकारी बैंक की पासबुक, चेकबुक, भरे व कोरे विड्रॉल फॉर्म, बैंक जमा पर्ची, धान खरीदी केंद्रों की तौल पर्चियां, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल फोन सहित सैकड़ों दस्तावेज बरामद किए गए। इसके अलावा 1 लाख 67 हजार 100 रुपए नगद भी मिले। इस कार्रवाई में पिकअप वाहन (यूपी 64 सीटी 4218) और मोटरसाइकिल (सीजी 15 डीवाय 4601) को जब्त कर थाना भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सीमावर्ती राज्य से सस्ते दाम पर धान लाकर छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केंद्रों में बेचता था। किसानों के हस्ताक्षर पहले से किए गए विड्रॉल फॉर्म अपने पास रखकर बड़ी मात्रा में राशि का लेनदेन अपने और परिजनों के खातों में करता था। जिला प्रशासन का मानना है कि इस पूरे नेटवर्क में अन्य लोगों की संलिप्तता भी हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

निरीक्षण में ड्यूटी से नदारद पंचायत सचिव निलंबित

रायपुर, 28 दिसंबर। बलरामपुर कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने पर ग्राम पंचायत विजयनगर, जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के पंचायत सचिव सिद्धार्थ शंकर हालदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कार्रवाई जिला पंचायत सीईओ द्वारा की गई है। जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर को चेकपोस्ट रामानुजगंज निरीक्षण के समय पंचायत सचिव निर्धारित ड्यूटी समय सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक मौके पर उपस्थित नहीं थे। इसे कार्य के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता मानते हुए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 का उल्लंघन मानते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि में सिद्धार्थ शंकर हालदार का मुख्यालय जनपद पंचायत बलरामपुर तय किया गया है।

धान उठाव के बाद चावल नहीं जमा करने पर राइस मिल किया सील

रायपुर, 28 दिसंबर। धान उठाव के बावजूद चावल जमा नहीं करने पर जिला प्रशासन बलरामपुर ने सख्त कार्रवाई करते हुए विकासखंड राजपुर के ग्राम कोटगगहना स्थित मित्तल राइस मिल को सील कर दिया है। खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कस्टम मिलिंग आदेश के उल्लंघन के मामले में यह कार्रवाई की है। गुरुवार को अपर कलेक्टर और एसडीएम राजपुर की मौजूदगी में टीम ने राइस मिल का निरीक्षण किया। मौके पर मिल का मुख्य गेट बंद मिला और परिसर में कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था। मिल संचालक से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। खाद्य विभाग के अनुसार विपणन वर्ष 2024-25 में मित्तल राइस मिल ने 3320 क्विंटल धान का उठाव किया था। इसके एवज में 2246.64 क्विंटल चावल जमा किया जाना था, लेकिन निरीक्षण की तिथि तक एक भी क्विंटल चावल जमा नहीं किया गया। प्रशासन ने इसे कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के गंभीर उल्लंघन मानते हुए राइस मिल को सील कर दिया है।

महासमुंद जिले में तीन राइस मिलों से प्रशासन ने धान,चावल किया जब्त

रायपुर, 28 दिसंबर। महासमुंद जिले में धान के अवैध भंडारण, परिवहन और स्टॉक में गड़बड़ी के खिलाफ प्रशासन ने एक साथ बड़ी कार्रवाई की है। तीन अलग-अलग मामलों में राइस मिलों से हजारों बोरा धान और चावल जब्त किए गए हैं। सरायपाली में जांच टीम ने श्री साई राइस मिल का भौतिक सत्यापन किया। जांच में स्टॉक में गंभीर कमी सामने आई, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए मिल से 6,000 बोरा धान और 15,470 बोरा चावल जब्त कर लिया गया। इसी तरह बसना में टीम ने दो राइस मिलों पर दबिश दी।

नव छत्तीसगढ़ साहित्य सांस्कृतिक संस्थान ने किया काव्य गोष्ठी का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर 28 दिसंबर। नव छत्तीसगढ़ साहित्य सांस्कृतिक, संस्थान द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन साहित्य सदन चौबे कॉलोनी रायपुर मे संस्था के संस्थापक अध्यक्ष संजीव ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें अनेक कवियों/कवयित्रियों ने अपनी सहभागिता रखी। इस अवसर पर संस्था के सचिव शशांक खरे, महिला प्रकोष्ठ की सचिव सुमन शर्मा वाजपेई, युवा कवि अभिषेक शर्मा, सरयू कांत झा स्मृति संस्थान के सचिव शारदेंदु झा,अनिता शरद झा, धार्मिक आलेख लिखने वाली लेखिका श्रीमती भावना ठाकुर, खेल के लेखक ऐश्वर्या राज ठाकुर एवं राजश्री झा नें अपनी अपनी रचनाएं सुनाई। मां सरस्वती की वंदना/प्रणाम करते हुए कवित्री सुमन शर्मा वाजपेई ने अपनी पंक्तियों रखी- चलो आज जिंदगी को पुकारा जाए बिखरे पन्नों को फिर से संवारा जाए। तन थक गया तो क्या चलते-चलते मां की आशाओं पर कुछ वारा जाए । युवा कवि अभिषेक शर्मा ने अपनी पंक्तियों यूं रखीं- हमारे मन में के भाव में बसी बंदगी हो तुम, लबों को छू के भी प्यासी रही वो तिश्नगी हो तुम। कैसे कहें कि तुमसे हर सांस की डोर जुड़ती है जिंदगी में नहीं हो पर जिंदगी हो तुम। वरिष्ठ कवित्री अनीता झा ने कहा- नवयुग नव कल्पनाओं से अमूल्य धरोहर बचाने आया मदर मेरी सांता क्लॉज आया, मनभावन मन्-मोहक उपहार लाया खुशियों की नेक सौगात लाया। शशांक खरे व्यंग्यकार पत्रकार ने अपना व्यंग यूं रखा- आज राजनीति कहां-कहां नहीं घुसी है अब देखिए ना, नेताजी की तस्वीर शौचालय में भी टंगी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि, लेखक ने अपनी बातें यूं रखीं- घर तजुर्बा मेरा ढेर ना होता, तो मुकम्मल मेरा शेर ना होता, बनते तेरे मेरे दिल के रिश्ते, बीच हमारे एर-गैर न होता वरिष्ठ कवि लेखक संजीव ठाकुर ने तरन्नुम में गजल सुनाई- हाल का मेरे कुछ पता भी नहीं मेरे घर में आज आईना भी नहीं, कैसी दोस्ती कैसी दुश्मनी तुझसे मैं तुझको ठीक से जानता भी नहीं। सरयू कांत झा स्मृति संस्थान के सचिव शरदेंदु झा ने अपनी लघु कथा सुनाई कार्यक्रम में राजश्री झा, टाइम्स आफ इंडिया के लेखक ऐश्वर्या राज ठाकुर तथा धार्मिक आलेख लिखने वाली लेखिका श्रीमती भावना ठाकुर भोलाराम छतरी, अनूप यादव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर आभार प्रदर्शन शारदेंदु झा ने किया।

ग्रामीण अंचल के सर्वांगीण विकास व आम लोगों के जीवनस्तर को उठान के लिए

वित्त मंत्री चौधरी ने रायगढ़ ब्लाक के कई गांवों में 1.49 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 28 दिसंबर। ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास और आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने आज कड़ाके की ठंड में सुबह-सुबह 8 बजे से रायगढ़ विकासखण्ड के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम छुहीपाली, बनोरा, महापल्ली, सियारपाली एवं गोपालपुर में कुल 1 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान की।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी और जनहितकारी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर विकास की नई इबारत लिख रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसानों को लंबित धान बोनस का भुगतान, धान खरीदी की सीमा और समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना की शुरुआत, गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास तथा गांवों में सड़क, स्कूल और सामुदायिक भवन जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण को तेजी से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें ईमानदारी, पारदर्शिता के साथ जमीन पर उतारकर आम जनता के जीवन में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाना है। इस दौरान उन्होंने गांवों में विकास के अन्य कार्य के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने सरपंच, सचिव और ग्रामीणों से कहा कि गांवों में जो भी निर्माण कराए जा रहे है उसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो, जनपद पंचायत रायगढ़ अध्यक्ष श्रीमती सुजाता चौहान, सुखलाल चौहान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना का लाभ मिलने से महिलाएं न केवल अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं। इससे घरेलू खर्चों में सहूलियत मिल रही है और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम-छुहीपाली में 166, बनोरा में 442, महापल्ली में 601, सियारपाली में 430 एवं गोपालपुर में 447 इस तरह कुल 2086 महिलाएं महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही है। उक्त योजना से अब तक 4 करोड़ 59 लाख 22 हजार रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में भेजी जा चुकी है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को अपना सपना पूरा करने का मौका मिला है। इस योजना से अब गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सुरक्षित और पक्का आवास मिल रहा है, जिससे उनकी जीवनशैली में सुधार और सामाजिक सुरक्षा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि योजना से न केवल उनका रहन-सहन बेहतर हुआ है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और परिवार की सुरक्षा में भी मदद मिली है। पीएम आवास योजना के तहत ग्राम-छुहीपाली में 107, बनोरा में 108, महापल्ली में 81, सियारपाली में 67 एवं गोपालपुर में 115 इस तरह कुल 478 आवास इन गांवों में पूर्ण हो चुके है। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी सर्वप्रथम ग्राम छुहीपाली पहुंचे, जहां उन्होंने ने 18 लाख रुपये की लागत से बनने वाले माध्यमिक शाला भवन का भूमिपूजन किया। वहीं राजघाट पुल से छुहीपाली बस्ती की ओर 10 लाख रुपये की सीसी रोड तथा बजरंग मंदिर के समीप 6 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके पश्चात ग्राम बनोरा में पंचायत भवन के सामने 10 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण एवं सारथी मोहल्ला में 4 लाख रुपये की लागत से चबूतरा निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। ग्राम-महापल्ली में बजरंग मंदिर के सामने 10 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण, 10 लाख रुपये की सामाजिक भवन निर्माण तथा 24.70 लाख रुपये की लागत से महतारी सदन का लोकार्पण किया गया। ग्राम सियारपाली में बीच बस्ती में 10 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं ग्राम गोपालपुर में बीच बस्ती में 8 लाख रुपये की शेड निर्माण एवं मेन रोड से राज चौहान के घर तक 5 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही गोपालपुर में 24.70 लाख रुपये की लागत से महतारी सदन तथा दुर्गा पंडाल के पास 6 लाख रुपये की सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया।

अपराधियों के तिल्दा नेवरा दर्जनों अड्डे बने

- बच्चों को नशे का आदी बना रहे है
- सार्वजनिक हाट बाजार तालाबों और सुनसान सड़को पर होता है नशे का कारोबार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 28 दिसंबर। राजधानी से लगा होने ओर नशा कारोबारियों के लिय शांत इलाका बना है और इस नशे के कारोबार में ऐसे ऐसे सफेद पोश जुड़े है जिन पर पुलिस की नजर तक नहीं है तिल्दा खरोरा मार्ग हो या सिमगा तिल्दा मार्ग या फिर तिल्दा हाथबंद भाटापारा या फिर अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुंठ सुहेला जैसे अंचल नशा कारोबारियों की पकड़ में आगया है और स्कूली बच्चे इस कदर नशे के आदि है कि समाज में व्याप्त चिंता बन चुकी है

इस वक्त तिल्दा नेवरा शहर उद्योग का प्रमुख केंद्र बन चुका है इस के चलते तिल्दा नेवरा नगर में करीब दस हजार से अधिक संख्या मजदूरों की अन्य प्रांतों से है रविवार ओर बुधवार को शराब दुकानों में अक्सर बढ़ती संख्या और दो दर्जन से अधिक संयंत्र के आस पास अवैध शराब माफियों के द्वारा बिक्री हो रही है सुनिधा खफरी कला के पास एक उद्योग के चलते अवैध शराब बिक्री करने वाले चार पहिया वाहनों में सप्लाई दे रहे है सैकड़ों की संख्या में नगर ओर ग्रामीण अंचल के युवा इस कार्य में लगे हुए उद्योगों में मजदूरों से सीधा नेट वर्ग जुड़ा है और हर शान उद्योगों के पास गाड़ियों के माध्यम से उद्योगों में अवैध शराब सहित अनेक मादक पदार्थ सप्लाई की जानकारी मिली है विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि कुछ ऐसे तत्व इस कार्य में जुड़े है जिनका नेट वर्ग फैला हुआ समय रहते पुलिस को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

शाउमा विधा केसदा में वीर बाल दिवस मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 28 दिसंबर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केसदा में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से कक्षा नवमी से 12वीं के छात्रों ने भाग लिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच शिवकुमार तुरकाने जी पंच कलाराम वर्मा एसएमडीसी अध्यक्ष जी पी निर्मलकर सदस्य के के वर्मा छगन वर्मा एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में मनाया गया सभी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वीरबाल दिवस हमें वीरता एवं बलिदान का संदेश देता है। प्राचार्य विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि वीर बाल दिवस सिक्ख गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे साहब जादे जोरावर सिंह(9वर्ष) और फतेह सिंह(6वर्ष) के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करने एवं उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने धर्म , मातृभूमि और सिद्धांतों की रक्षा के लिए छोटी उम्र में दीवार में चुनवा दिए जाने को स्वीकार किया किंतु दूसरे धर्म और उनके सिद्धांतों को मानने से इंकार कर दिया।यह दिन उनकी वीरता, निष्ठा और बलिदान की भावना को समर्पित है,जो हर भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। छात्रों में मातृभूमि और धर्म के प्रति समर्पण त्याग और सेवा को प्रोत्साहित करने निबंध,भाषण, कहानी पोस्टर, चित्रकला आदि गतिविधियां आयोजित किया गया ।सरपंच व ह्यद्बस्र्ष सदस्यों द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को इनाम देने की घोषणा की गई इस कार्यक्रम में डॉक्टर कृष्ण कुमार वर्मा ने अपने द्वारा रचित कविता का वाचन किया गया साथ ही छात्रों ने भी अपने गीत कहानी कविता के द्वारा प्रस्तुति दी जो बहुत ही सराहनीय रहा कार्यक्रम का संचालन अश्वनी साहू व्याख्याता व आभार प्रदर्शन निजाम वर्मा सर व्याख्याता द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदला सन्ना निवासी दिव्यांग राजेश राम का जीवन

रायपुर, 28 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव ला रही हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री आवास योजना जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत सन्ना निवासी दिव्यांग नागरिक राजेश राम के लिए आश्रय ही नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का आधार बन गई है। पैर से दिव्यांग श्री राजेश राम कपड़ा सिलाई कर अपने परिवार का जीवनयापन करते हैं। इससे पूर्व वे मिट्टी के कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे, जहां बारिश, ठंड और बार-बार मरम्मत की समस्या उनके लिए बड़ी चुनौती बनी रहती थी। विषम परिस्थितियों में सुरक्षित आवास का अभाव उनके दैनिक जीवन को और कठिन बना देता था। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता से उन्होंने अपने लिए एक सुरक्षित, टिकाऊ और सुविधासंपन्न पक्का आवास निर्मित कराया। नए घर के निर्माण के बाद अब उनका परिवार मौसम की मार से सुरक्षित है और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहा है। श्री राजेश राम का कहना है कि दिव्यांग होने के कारण कच्चे मकान की मरम्मत और कठिन मौसम में स्वयं की सुरक्षा एक बड़ी समस्या थी, लेकिन पक्का घर मिलने के बाद उनकी सभी चिंताएं दूर हो गई हैं। उन्होंने इस बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं ने उनके जीवन को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रदेश में हजारों जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित आवास मिल रहा है। यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में वास्तविक परिवर्तन का सशक्त उदाहरण बन रही

अब तक पंजीकृत किसानों से 60.88 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर, 28 दिसंबर। समर्थन मूल्य पर राज्य में पंजीकृत किसानों से धान खरीदी का महाअभियान अनवरत रूप से जारी हैं। पिछले माह के 14 नवंबर से शुरू हुए धान खरीदी के तहत् 26 दिसम्बर को जारी रिपोर्ट के अनुसार 60 लाख 87 हजार 547 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। अब तक 11लाख 51 हजार 355 पंजीकृत किसानों ने धान बेचा है। मार्कफेड द्वारा धान खरीदी के भुगतान के लिए 13 हजार 615 करोड़ रूपए जारी किए गए है। इस वर्ष 27 लाख 43 हजार 444 किसानों ने पंजीयन कराया है, जिसमें 32 लाख 64 हजार 598 हेक्टेयर रकबा शामिल है। इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए तुंहर हाथ टोकन एप शुरू किया गया है। इससे किसानों को धान बेचने में काफी सहुलियत मिल रही है। अब किसानों के लिए 24 घंटे सातों दिन टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। इससे भी किसानों को टोकन कटाने एवं धान बेचने में आसान हो रही है।

किसान समितियों द्वारा की जा रही सभी आवश्यक व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। राज्य शासन गठित राज्य और जिला स्तरीय दलों द्वारा प्रदेश सहित राज्य के सीमावर्ती इलाकों में अवैध धान परिवहन, भंडारण तथा विक्रय पर कड़ी निगरानी की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार धान खरीदी के साथ-साथ किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान भी शुरू कर दिया गया है। राज्य के किसानों से क्रय किए गए धान के मूल्य भुगतान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने मार्कफेड को 26,200 करोड़ रूपए की बैंक गांरटी पहले से दे रखी है। किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए सभी केन्द्रों में पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है। धान खरीदी की व्यवस्था पर निगरानी के लिए सभी केन्द्रों में अधिकारी तैनात किए गए हैं। राज्य स्तर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और जिला स्तर के अधिकारी लगातार दौरा कर धान खरीदी एवं केन्द्रों की व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं।

राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में किसी भी तरह की गड़बड़ी न होने पाए इसको लेकर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बाहर से धान की आवक की रोकथाम के लिए चेकपोस्ट पर अधिकारी तैनात किए गए हैं। जगह-जगह मॉलवाहकों की औचक जांच भी की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व और किसान हितैषी नीतियों के चलते किसानों को जहां उनकी मेहनत का वाजिम दाम मिला हैं, वहीं किसानों का सम्मान भी बढ़ा है। बता दें कि सरकार अपने घोषणा के अनुरूप प्रति एकड़ 21 क्विंटल समर्थन मूल्य एवं कृषि उन्नति योजना के तहत 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की भाव से धान खरीदी कर रही है।

आबकारी टीम ने 94 हजार रुपये की कच्ची महुआ शराब जब्त की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 28 दिसंबर। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने 94 हजार मूल्य का 110 बल्क लीटर हाथभट्ठी कच्ची महुआ शराब व 1200 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को कसडोल वृत्त के ग्राम मुगलभाटा थाना राजादेवरी में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी बरत राम यादव पिता पंचराम के कब्जे से 30 बल्क लीटर हाथभठी महुआ शराब जप्त किया गया। हाथभ?ट्ठी कच्ची महुआ शराब का बाजार मूल्य 6,000 रुपये जब्त किया गया।आरोपी बरत राम यादव पिता पंचराम ग्राम मुगलभाटा थाना राजादेवरी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 59 (क), प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार बलौदाबाजार वृत्त ग्राम सुढेली थाना बलौदाबाजार में आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मुखबीर सूचना पर ग्राम सुढेली में तालाब किनारे दबिश दी गई। कार्यवाही में दो चढ़ी भट्ठी 40 प्लास्टिक बोरियों में कुल 1200 किलोग्राम लाहन का नष्टीकरण किया गया। मौके पर झाड़ियों में छिपाकर रखे पॉलीथीन में भरी कुल 80 बल्क लीटर हाथभ?ठी महुआ शराब जब्त किया गया। हाथभठ्ठी महुआ शराब का बाजार मूल्य 16,000 एवं महुआ लाहन का बाजार मूल्य 72,000 होना पाया गया। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) 59 (क) प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जलेश कुमार सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम, पी. माधव राव, नगर सैनिक राजकुमार पैंकरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

■ उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन

टीपी नगर जोन के 5 वार्डो में होंगे 2.28करोड़ रुपए के नए विकास कार्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 28 दिसंबर। नगर पालिक निगम कोरबा के टी.पी.नगर जोन के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 18, 15, 17, 03 एवं 04 में 02 करोड़ 28 लाख 60 हजार रूपये के नए विकास कार्य कराए जाएंगे। आज नर्सरीपारा कोहड़िया, ढोढ़ीपारा भैंसखटाल तथा राताखार बजरंग चौक में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के उद्योग, , श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में इन विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा टी.पी.नगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 18 अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल कोहड़िया में 05 लाख 94 हजार रूपये की लागत से शौचालय निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 18 अंतर्गत बरपारा (छोटे नर्सरीपारा) विनय साहू के घर से नारायण घर तक 18 लाख रूपये की लागत से नाली निर्माण एवं रोड मरम्मत कार्य, वार्ड क्र. 18 कोहड़िया में 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 18 के विभिन्न बस्तियों में 50 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 15 अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल कन्या साडा कोरबा में 06 लाख 30 हजार रूपये की लागत से साईकल स्टैण्ड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 15 अंतर्गत पन्द्रह ब्लाक आंगनबाड़ी क्र. 01 पीछे 05 लाख रूपये की लागत से मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 अंतर्गत छ.ग.रा.वि.मं.कं. 01 सुलभ से लेकर वर्षा किराना स्टोर एवं सराई पेड़ से लक्ष्मी राठौर के घर तक 08 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 अंतर्गत गौठानपारा रसियन हास्टल ढोढ़ीपारा में 20 लाख रूपये की लागत से नाली, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 ढोढ़ीपारा कबीर आश्रम में 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 अंतर्गत साहू खटाल ढोढ़ीपारा सब स्टेशन के पीछे 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 ढोढ़ीपारा में शिव चबूतरा नंदू पटेल घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 03 गेरवाघाट में शिव मंदिर के बगल में 05 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 03 श्री अग्रसेन महाविद्यालय दर्री रोड कोरबा के परिसर के पास 10 लाख रूपये की लागत से प्रसाधन निर्माण कार्य, नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्र. 03 इंदिरा स्टेडियम के पास स्थित 30 लाख 32 हजार रूपये की लागत से आडिटोरियम का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य, वार्ड क्र. 04 अंतर्गत बजरंग चौक शिव मंदिर गली राताखार में शिव मंदिर के सामने बिन्दु सिंह राजपूत के घर तक 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड क्र. 04 अंतर्गत राताखार बजरंग चौक के पास 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया।

कितने सांचों में ढल के आये हैं, ख्वाब की तरह पल के आये हैं... तुम सिफारिश से जहां पहुंचे हो, हम वहां खुद ही चलकर आये हैं...

छ हाय पैसा, हाय पैसा, और पैसा कमाने के ही चक्कर में छ्ग में कुछ आईएएस जेल में हैं तो स्टेट कॉडर की अफसर सौम्या चौरसिया फिर जेल पहुंच गई है यदि सब कुछ ठीक होता तो आज वह आई एएस पदोन्नत हो चुकी होती? पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, सौम्या तो कोयला शराब घोटाले आदि में भी शामिल हैं(जाँच एजेंसी के अनुसार)। छत्तीसगढ़ के राइस किंग नेमी चंद श्रीश्रीमाल चाँवल नहीं खा सकते थे, क्योंकि उन्हें 'शुगर' था, छ्ग के ही लिकर किंग(शराब ठेकेदार) सुच्चा सिंह शराब नहीं पी सकते थे क्योंकि उन्हें शुगर था, कुछ वैसा ही हाल छ्ग के कुछअफसरों का है, करोड़ों का वारा- न्यारा किया?पर जेल में सूखी रोटी खाने मजबूर हैंज्ऐसी कमाई का क्या फायदाज्? इधर कुछ आईपीएस की भी नींद उडी हैं कब जाँच के बाद जेल पहुंच जाएँ..?अब अतीत की तरफलौटते हैंज्अंग्रेज शासकों ने गुलाम भारत में दृढ़ता से शासन करने के लिये न्याय व्यवस्था, नौकरशाही की एक शक्ल का सूत्रपात किया था।1860 में 'भारतीय दण्ड विधान'और कालांतर में 18 72में 'भारतीय साक्ष्य अधि नियम' अस्तित्व में लाया था।1861में ही अंग्रेजों ने आई सीएस (इम्पीरियल सिविल सर्विसेज) एक्ट लागू किया। इस एक्ट को अधिकारियों की कर्तव्य निष्ठा, सेवाभावना और निष्पक्षता के चलते 'स्टील फेम सर्विस' के तौर पर आंक लित किया गया। इस सेवा में शुरुवाती दौर में इंग्लैंड से ही अफसर आते थे। शनैः शनैः होनहार भारतीयों को इस सेवा में शामिल होने का मौका दिया गया तो आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस सेवा की महत्ता, उपदेयता के दृष्टिगत इसे 'स्टील फेम ऑफ इंडिया' की संज्ञा प्रदान की। 1947 में देश के स्वतंत्र होने पर आईसीएस की जगह इंडियन सिविस सर्विस का सूत्रपात हुआ जिसमें आईए एस, आईपीएस चयन हेतु पहली बार वर्ष 1947 में अभा परीक्षा संपन्न हुई, 19 66 में परीक्षा के साथ अभा वनसेवा, विदेश सेवा, अन्य एलाइड सर्विसेज भी समा हित होती गई, 1959 में लाल बहादुर शास्त्री प्रशा सनिक अकादमी का सूत्र वाक्य भी अपने में विस्तृत भाव सन्नि हित किये हुए है 'शील परम भूषण'। यह सूत्र वाक्य उच्च मूल्यों, आदर्शों की याद भी दिलाता है। मौजूदा हालात में तो अखबारों की सुर्खियां कुछ यूं नजर आती है। भ्रष्टाचार में आईएएस बर्खास्त (मप्र) सी बीआई को रिश्वत देने के आरोपी आईएएस बर्खास्त (छ्ग) शराब, खनिज, सट्टा, डी?मएफ, कोयला घोटाला में कुछ आई एएस, पूर्व आईए एस, स्टेट कॉडर के अफसर गिरफ्तार (छ्ग)चारा घोटाले में मुख्य सचिव को कैद (झारखंड) निलंबित आईए एस दम्पत्ति के 80 बैक खाते सीज (मप्र) करोड़ों के प्रिंटिंग घोटाले में आईएएस गिर फ्तार (असम) नकल करते पकड़ाया आई पीएस (तमिल नाडु) प्रशिक्षु आईएएस के लिए घूस लेते पकड़ा गया एक चपरासी, आईएएस मंत्रालय अटैच (छ्ग)आईजी अनिवार्य सेवानिवृत्त (छ्ग) बलात्कार के आरोपी आईए एस ने किया सरेंडर (राज स्थान) आदि आदिज्। आला हुक्मरानों से सीख लेकर नेताओं- अपराधियों से जुगल बंदी कर भ्रष्टा चार के चलते कुछ अधिकारी जेल में रह गौरवशाली सेवा को तिलां जलि देते नजर आ रहे हैं। नवोदित छ्ग में कुछ अभा सेवा केअफसरों के खिलाफशिकायत है हर विधान सभा सत्र में आंकड़े बताए जाते है पर लंबित मामलों की कब जांच होगी, सरकार खुलासा नहीं करती है। दरअसल भारतीय प्रशासनिक सेवा के कुछेक अधिकारी सत्ताधारी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता की भांति आचरण करके जो उदाहरण पेश करते हैं वह भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह ही लगाता है।अपने राजनीतिक आकाओं की जी-हजूरी कर सेवाकाल में तोअच्छे पदों पर रहते ही हैं, सेवानिवृत्ति बाद नौकरशाह आयोगों तथा अन्य संस्थाओं में बकायदा पूरे लाव लश्कर के साथ पुर्ननियुक्ति की भी सौगात पाने में सफल रहते हैं। यह कहने में कोई संकोच भी नहीं है कुछ अफसरों ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के गौरवशाली अतीत को भ्रष्टा चार- विलासिता, राजनीतिक जी-हुजूरी का काकटेल बना कर रख दिया है, सेवाकाल में ही कुछ नौकरशाह करोड़ों की चल-अचल संपत्तियों के मालिक बन जाते हैं क्यों?

11 हजार पंचायतें: मनरेगा के क्यूआर कोड तकनीक को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

छग की पंचायतों में क्यू आर कोड आधारित मनरेगा पहल को विशेष श्रेणी में मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025- 2026 मिला है।साय सरकार द्वारा प्रारम्भ क्यू आर कोड आधारित प्रणाली में मनरेगा से सम्बंधित सभी जानकारी उपलब्ध है। मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा के अनु सार क्यू आर कोड प्रणाली मनरेगा में पारदर्शिता बढ़ाने नई तकनीक है, पंचायत भवन सहित सार्वजानिक स्थानों पर लगाया गया है।11हजार पंचा यतों में अभी तक क्यू आर कोड को 1सितंबर से 3लाख 70 हजार से अधिक स्केन किया जा चुका है।

धर्म परिवर्तन और कब्र पर कलह क्यों

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में परंपरा और धर्म परिवर्तन के बीच की लकीर अब हिंसा की खूनी इबारत लिख रही है, जहां कभी सामुदायिक एकजुटता मिसाल हुआ करती थी, आज वहां 'आम पंडुम' जैसे लोक त्योहारों और शव दफनाने की भूमि को लेकर गहरे मतभेद उभर आए हैं।बस्तर संभाग और कांकेर में विवाद जमीन का टुकड़ा हासिल करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह अपनी जड़ों, पहचान- अधि कारों को बचाने की एक बेहद संवेदनशील लड़ाई बन चुका है। इस लड़ाई को कुछ ऐसे समझिएज्.मीठे आम को लेकर भी कड़वाहट भर जाती है। कई आदिवासी इलाकों में परंपरा है कि जब तक 'आम पंडुम'ञ्च का त्योहार नहीं मनाते, आम नहीं खाते, आरोप यह लगते हैं जिन लोगों ने ईसाई धर्म अपनाया है, वे पहले ही आम तोड़कर बाजार में बेचने लगते हैं, जब तक पंडुम आता है तब तक आम खत्म? बात सुनने में छोटी है, लेकिन गांव के सामूहिक जीवन में यही छोटी- छोटी चुभनें रिश्तों में दूरी बनाती हैं और जब वही दूरी किसी की अंतिम विदाई यानी शव दफनाने तक पहुंच जाती है, विवाद सिर्फ जमीन का नहीं रहता, पहचान, परं परा, शक्ति, अधिकार का बन जाता है। छ्ग के कई आदि वासी गांवों में अंतिम संस्कार, दफन की जगहें समुदाय- आधारित होती हैं, किस समाज का कब्रिस्तान/ श्म शान कहां होगा, किस रीति से विदाई होगी, इन पर ग्राम- समुदाय की मजबूत परंपराएं हैं, जब कोई ईसाई धर्म अप नाता है, तो अंतिम संस्कार की रीति बदल जाती हैज्। पादरी, प्रार्थना, बाइबिल, कब्र का स्वरूप।कई गांवों में यही बदलाव बहस खड़ी करता है क्या धर्म परिवर्तन के बाद भी वही व्यक्ति गांव के पारंपरिक कब्रिस्तान में दफनाया जा सकता है या नहींज्? बहस को कानूनी, ज्यादा जटिल बनाता है बस्तर जैसे अनु सूचित क्षेत्रों में लागू पेसा, यानी पंचायत विस्तार अधि नियम..।जमीनी स्तर पर ग्राम सभा के फैसलों को कई बार परंपरा, संस्कृति की रक्षा के नाम पर ताकत मिलती है, दूसरी तरफ परिवार कहता है कि अंतिम संस्कार सम्मान ङ्क गरिमा का अधिकार है, यह नागरिक अधिकार भी है।यही वजह है कई मामले अदालतों तक पहुंचे हैं। हाल ही सर्व समाज ने धर्मान्तण को लेकर छतीसगढ़ बंद का भी आयो जन किया था।

छग में 13 प्रतिशत मतदाताओं के नाम क्या कटेंगे...

छत्तीसगढ़ में आयोजित सर्वे ऑफ इनएलिजिबल वोटर्स (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।कुल 26 लाख 17 हजार 165 नाम प्रार म्भिक तौर पर हटाने की बात सामने आई हैं जो कुल मत दाता का 13त्न है, यहां यह बताना जरुरी है, पिछले विस चुनाव में 4त्न का फर्कभाजपा -कांग्रेस में जीत हार का अंतर था।एसआईआर के दौरान कुल 1करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 गणना प्रपत्र मत दाताओं से एकत्र किए गए।सर्वे में यह पता चला मत दाता सूची में कई ऐसे नाम थे, जो अब पात्र नहीं रहे। जांच में 6 लाख 42 हजार 234 मतदाता की मृत्यु हो चुकी थी, 19 लाख 13 हजार 540 मतदाता शिफ्ट या अनु पस्थित पाए गए और 1 लाख 79 हजार 43 मतदाता के नाम सूची में एक से अधिक स्थानों पर दर्ज थे।प्रशासन ने स्पष्ट किया है, मतदाताओं के नाम सर्वे के दौरान हटा दिए गए हैं, वे दावा एवं आपत्ति (23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026) के दौरान पुनः मतदाता सूची में शामिल होने का अवसर प्राप्त करेंगे।

नक्सली गणेश भी मारा गया...

नक्सली सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उईके के मारे जाने की खबर है, गणेश उईके पर लग भग 01 करोड़ 20 लाख रुपए इनाम घोषित था, गणेश उईके को पाका हनुमंथु और राजेश तिवारी के नाम से भी जाना जाता है। लंबे अरसे से गणेश उईके उड़ीसा राज्य में था।सक्रिय माओवादी संगठन ने गणेश को उड़ीसा राज्य की जिम्मेदारी दी थी, गणेश की 7 राज्यों में तलाश थी, साउथ सब जोनल का इंचार्ज गणेश, तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला था।गणेश के साथ 2 महिला समेत 3 पुरुष कुल 5 नक्सली मारे गए।

और अब बस...

- » रायपुर लोकसभा खेल महोत्सव में 542 गाँवों से 85 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, यह देश में रिकार्ड भागीदारी रही।यह सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अथक प्रयास का नतीजा है।
- » छग सरकार ने सलामी गारद (गार्ड ऑफऑनर) की पुरानी व्यवस्था में बड़े बद लाव किए हैं। अब राज्य के मंत्री, गृहमंत्री, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधि कारियों को सामान्य दौरों, जिलों के निरीक्षण, भ्रमण, आगमन-प्रस्थान के दौरान सलामी नहीं दी जाएगी।
- » छग में बिजली स्मार्ट मीटर लगना शुरूज्उधर मप्र में लगे इन्हीं मीटरों की बड़ी शिका यत मिल रही है?

एक नजर

जसवंत क्लाडियस की पुस्तक का विमोचन

रायपुर, 28 दिसम्बर। अंतरराष्ट्रीय खेल उद्घोषक जसवंत क्लाडियस की पुस्तक खेल खेल में 2024 का विमोचन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और खेल मंत्री अरुण साव ने किया। इस अवसर पर साव ने बधाई देते हुए पुस्तक को सामान्य ज्ञान और खेल आंकड़ों को सहेजने के लिए उपयोगी बताया। लेखक क्लाडियस ने बताया कि इस पुस्तक में जनवरी से दिसंबर 2024 की विभिन्न खेल प्रतियोगिता, रोचक प्रसंग और घटनाओं की जानकारी विश्लेषण के साथ दी गई है। यह चर्चित अखबार में प्रकाशित आलेखों का संग्रह है। समीक्षक डॉ सुधीर शर्मा ने पुस्तक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अनिवार्य बताया।

वेदांता एल्युमीनियम दूसरे नंबर पर

रायपुर, 22 दिसम्बर। भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी, वेदांता एल्युमीनियम ने एल्युमीनियम उद्योग के लिए एस एंड पी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) में दुनिया भर में दूसरी रैंक हासिल की है। गौरतलब है कि कंपनी ने लगातार तीसरे साल यह उपलब्धि हासिल की है। वेदांता एल्युमीनियम की यह निरंतर अग्रगामी स्थिति उसकी अनुशासित प्रगति को दर्शाती है और कंपनी की यह कामयाबी यह बताती है कि वह अपनी कारोबारी रणनीति के केन्द्र में सस्टेनेबिलिटी को शामिल करने के लिए कितनी प्रतिबद्ध है। इस उपलब्धि पर वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, ''एस एंड पी ग्लोबल सीएसए में लगातार तीसरे साल अग्रणी रहना वेदांता एल्युमीनियम के लिए गौरव का क्षण है।

निधन

बिन्दाबाई साहू

महासमुंद, 28 दिसम्बर। महासमुंद निवासी श्रीमती बिन्दाबाई साहू (85) का 22 दिसम्बर को निधन हो गया। वे जुगेश्वर की माता, नरोत्तम, भुनेश्वर, नरेश, खिलावन की दादी तथा पत्रकार मोहन लाल साहू की नानी थीं।

मृदुला चंद्राकर

रायपुर, 28 दिसम्बर। सहायक सांचालक लोक शिक्षा संचालनालय नवा रायपुर सुश्री मृदुला चंद्राकर पिता स्व. बालाराम चंद्राकर का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे अधिवक्ता जेपी, जीएस व नरेन्द्र चंद्राकर की बड़ी बहन थीं।

छत्तीसगढ़ में नशीले पदार्थों की फैक्ट्री लगाने की तैयारी में था तस्कर अब्दुल

तीन सालों से कर रहा था ड्रग सप्लाई

रायपुर, 28 दिसम्बर। अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर अब्दुल करीम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के पाटन में नशीले पदार्थों की फैक्ट्री स्थापित करने की योजना बना रहा था। मूल रूप से नागपुर का निवासी अब्दुल करीम चार वर्ष पूर्व दुर्ग जिले के पाटन में बस गया था। वह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और झारखंड के तस्कर गिरोह का सक्रिय सदस्य है। रायपुर पुलिस ने उसे शुक्रवार को पांच ग्राम एमडीएमए

पहचान छिपाने के लिए बदल लिया नाम

अब्दुल करीम ने तस्करी के धंधे में उतरने के बाद अपनी पहचान छिपाने के लिए नाम बदल लिया था। उसे समीर उर्फराजा के नाम से जाना जाता था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उसके बैंक खातों और पाटन में खरीदी गई प्रापर्टी की जांच कर रही है।

(मेथिलीनडाइआक्सी-एन-मेथैम्फेटामाइन) के साथ गिरफ्तार किया। आरोपित पिछले तीन वर्षों से प्रदेश भर में ड्रग सप्लाई कर रहा था।?

रायपुर में तैयार की गई रणनीति : एमडीएमए एक अत्यंत खतरनाक उत्तेजक ड्रग है। हाल ही में रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय डीजीपी कांफ्रेंस में नशीले पदार्थों के अंतरराज्यीय गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई की रणनीति तैयार की गई थी।

पैसेंजर ट्रेन में फंदे पर लटका मिला युवक का शव

रायपुर, 29 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ में एक पैसेंजर ट्रेन के भीतर युवक का फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला. घटना के बाद से रेलवे स्टाफमें हड़कंप मच गया. सूचना मिलने पर रायपुर स्टेशन में रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. जानकारी के मुताबिक, यह मामला टिटलागढ़-रायपुर पैसेंजर ट्रेन का है. प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि युवक की पहचान और घटना के कारणों को लेकर पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

अजमेर शरीफ के लिए सीएम ने सलीम राज को सौंपी चादर

रायपुर, 28 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फबोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. सलीम राज ने आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से दरगाह शरीफमें विशेष चादर पेश की। मुख्यमंत्री साय ने अपने प्रतिनिधि के रूप में डॉ. राज को मुख्यमंत्री निवास में यह चादर सौंपी थी। चादरपोशी के दौरान डॉ. राज ने छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की खुशहाली, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी।

डॉ. सलीम राज ने इस अवसर पर कहा कि अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर पेश करना एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा है। इसे श्रद्धा, सम्मान और मन्नत का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने बताया कि यह रस्म सूफी परंपरा का हिस्सा है और इसका उद्देश्य हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (रह.) के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना होता है। उर्स के दौरान दरगाह पर विशेष चादर चढ़ाई जाती है, जो इस आयोजन का मुख्य हिस्सा होता है। इसे प्रेम और सम्मान की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है और इसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं। अजमेर शरीफ का उर्स केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है। यहां हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र से लोग शामिल होते हैं और ख्वाजा साहब की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हैं।

बेरला में मंत्री खुशवंत साहेब का स्वागत

रायपुर, 28 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री, आरंग विधायक एवं सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु खुशवंत साहेब का बेरला रेस्ट हाउस में आगमन हुआ इस अवसर पर भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी ने अपने साथियों के साथ पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं आत्मीय अभिवादन के साथ उनका भव्य स्वागत किया। गुरु खुशवंत साहेब के आगमन से बेरला क्षेत्र में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण देखने को मिला सतनामी समाज के लोगों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में उनके दर्शन एवं मार्गदर्शन को लेकर विशेष उत्साह रहा सतनामी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं गुरु खुशवंत साहेब इस अवसर पर भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा– गुरु खुशवंत साहेब केवल एक मंत्री ही नहीं, बल्कि सतनामी समाज के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक भी हैं। उनके विचार, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का संदेश समाज को नई दिशा देता है। उनका बेरला आगमन हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सतनामी समाज ने हमेशा सामाजिक एकता, सत्य, अहिंसा और सेवा के मूल्यों को जीवित रखा है, और गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में समाज निरंतर आगे बढ़ रहा है। सामाजिक समरसता और विकास पर हुई चर्चा रेस्ट हाउस में संक्षिप्त भेंट के दौरान क्षेत्र के विकास, किसानों की समस्याओं, सामाजिक समरसता एवं सतनामी समाज के उत्थान से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि, समाज का विकास तभी संभव है जब हर वर्ग को साथ लेकर चला जाए। सतनाम के विचार सत्य, सेवा और समानता–आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। जिसके शामिल प्रह्लाद रजक हुए सतनामी समाज ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत चंदेल नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल देशलहरे जी, मानक चतुर्वेदी गौरव दिवेदी मनोज सिन्हा, साहिल गेंडरे, प्रियांशु सिंह मनोज बंजारे, एवं पार्षद पुरुषोत्तम यादव सहित वरिष्ठ नेता गण उपस्थित रहे। स्वागत करने वालो मे। दिनेश चतुर्वेदी हेमंत चंदेल साहिल गैन्डरे मनोज सिन्हा पीयुष शर्मा राजेश मार्कण्डेय मनोज बंजारे मनोज सिन्हा संगीत प्रमुख साथियों ने किया स्वागत।

PICTURE-स्टोरी

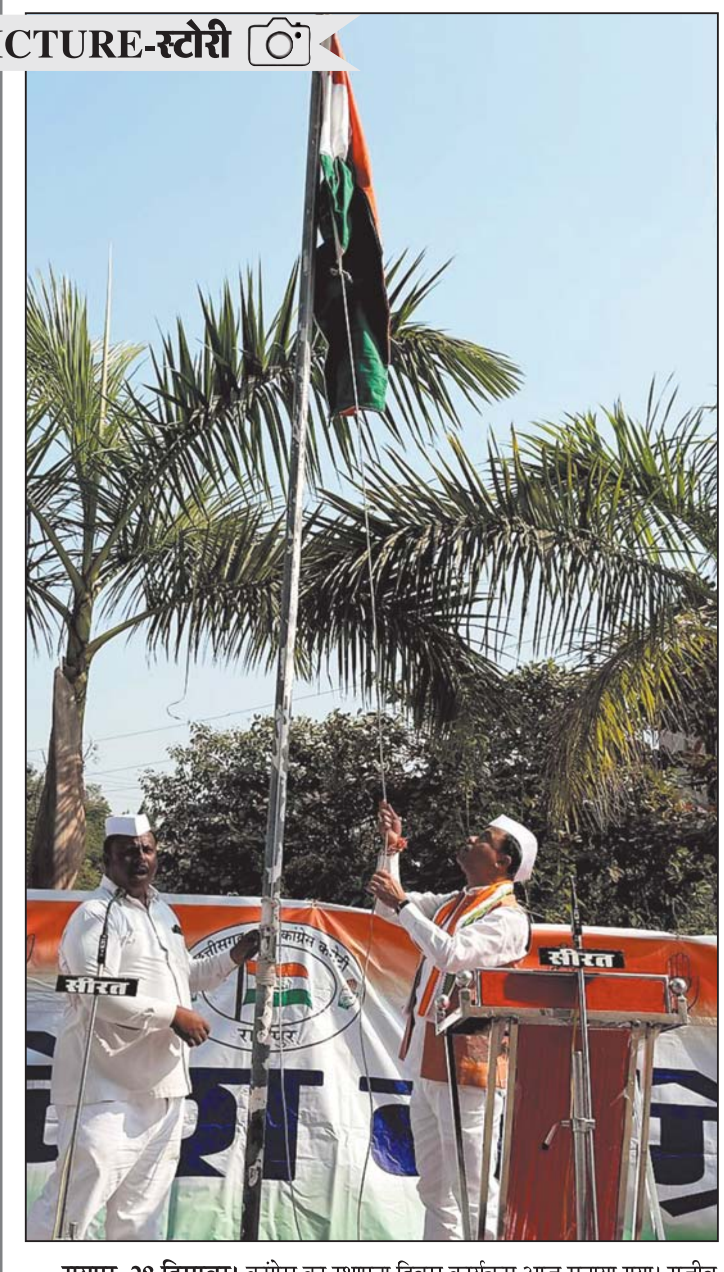

रायपुर, 28 दिसम्बर। कांग्रेस का स्थापना दिवस कार्यक्रम आज मनाया गया। राजीव भवन में कांग्रेस का ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

जनसमस्याओं को लेकर मंत्री के पास पहुंची दीप्ति दुबे

रायपुर, 28 दिसम्बर। नगर निगम में कांग्रेस पार्टी से महापौर का चुनाव लड़ी श्रीमती दीप्ति दुबे पार्षद रेनू साहू किरण वर्मा माया रजक मानव सिंह ठाकुर जितेंद्र नाग सहित अनेक प्रबुद्ध जनों ने रायपुर नगर निगम से संबंधित सात सूत्री मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौंप कर निम्न मांगो को अवीलंब पूर्ण करने का आग्रह किया। प्रमुख मांगों में से अधो संरचना मद में राशि 100 करोड़ को शीघ्र जारी करने की मांग की गई जिससे बन्द विकास कार्य शुरू हो सके। अनिवार्य निधि चुंगी छती पूर्ति, यात्री कर, पंजीयन एवं मुद्रण शुल्क, बार लाइसेंस, उत्पाद कर की लगभग 100 करोड़ की अनिवार्य निधि की राशि अवीलंब स्वीकृत करने की मांग की गई। साथ ही शहर के सभी वार्डो में गाय एवं बढ़ती सांड, , एवं कुत्ते की संख्या को देखते हुए दो बड़े गांव अभ्यारण एवं आठ नए कांजी हाउस के साथ 3 बधिया केन्द्र, चारों विधानसभा में बनाने की मांग की गई दीप्ति दुबे ने कहा कि आम लोगों का सुबह एवं शाम जानवरों के डर से निकलना मुश्किल हो चुका है इस पर तत्काल गंभीरता से कार्रवाई करें 10 माह में लगभग 50000 से ज्यादा लोग कुत्ता काटने के शिकार हुए हैं। मच्छर के आतंक से शहर में लगातार मलेरिया एवं डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं जिसे नियंत्रित करने हेतु एंटी लारवा एवं एंटी मॉस्किटो के प्रतिदिन छिड़काव की मांग की गई। शहर के बीच स्थित निगम के रिक्त भूमि में ऑक्सीजोन के साथ-साथ पुराने नगर निगम पंडरी क्लॉथ मार्केट कटोरा तालाब लाखे नगर शंकर नगर सहित अन्य स्थानों पर पार्किंग स्थल बनाने की मांग की है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26